दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-9 | अंक-144 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, सोमवार 9 जून 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

डॉ. यादव भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर आयोजित कोल जनजातीय सम्मेलन में होंगे शामिल, उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों का होगा सम्मान

मुख्यमंत्री करेंगे 330 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमि-पूजन

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शहडोल जिले के ब्यौहारी में भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कोल जनजातीय सम्मेलन में शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव 80 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 55 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 250 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 52 विकास कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव नरसिंहपुर जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, महिला स्व-सहायता समूहों, शिक्षकों और विकास कार्यों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विभागीय कर्मचारियों और मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान करेंगे। मुख्यमंत्री विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित करेंगे। यह सम्मेलन राज्य सरकार की जनजातीय समुदायों के समावेशी विकास और उत्थान के लिये प्रतिबद्धता का प्रतीक होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोक निर्माण विभाग के 6 कार्य (31.45 करोड़), लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 33 कार्य (22.64 करोड़), मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन का 1 कार्य (10 करोड़), मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के 10 कार्य (6 करोड़), लोक निर्माण विभाग (सेतु) का 1 कार्य (4.75 करोड़), जनजातीय कार्य विभाग का 1 कार्य (2.75 करोड़), लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के 3 (1.47 करोड़) कार्यों का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग के 15 कार्य (121.92 करोड़), मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के 5 कार्य (94.49 करोड़), ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के 8 कार्य (9.17 करोड़), लोक निर्माण विभाग के 6 अन्य कार्य (7.69 करोड़), ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के 16 कार्य (7.06 करोड़), लोक निर्माण विभाग (सेतु) का 1 कार्य (3.29 करोड़) और मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड कॉर्पोरेशन का 1 कार्य (0.47 करोड़) का भूमि-पूजन करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न विभागों की योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ प्रदान करेंगे। इनमें राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, उद्यानिकी तथा स्वास्थ्य विभाग प्रमुख रूप से शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार की सुबह मुख्यमंत्री निवास पर गायों को दुलार किया और उन्हें रोटी खिलाई।

गाडरवारा में करेंगे निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 9 जून को नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में एक भव्य आयोजन में 80 करोड़ 46 लाख रुपये की लागत के 135 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 56 करोड़ 58 लाख रुपये के 67 कार्यों का लोकार्पण और 23 करोड़ 88 लाख रुपये के 68 कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जल जीवन मिशन के अंतर्गत 396 लाख रुपये की लागत से देवरी से बनवारी पिपरिया तक 8.27 किमी सड़क, साईंखेड़ा में सीवरेज मलजल योजना तथा पुस्तकालय एवं प्रतीक्षालय जैसे शहरी विकास से जुड़े कार्यों का लोकार्पण और 23 करोड़ 88 लाख रुपये के निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। जिले में सामुदायिक भवन, अमृत सरोवर 2.0, आंगनबाड़ी भवनों और अन्य बुनियादी संरचनात्मक सुविधाओं का निर्माण प्रस्तावित है।

संक्षिप्त समाचार

एस. जयशंकर सात दिन के विदेश दौरे पर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर सात दिन के विदेश दौरे पर रहेंगे। वे 8 से 14 जून तक बेल्जियम, फ्रांस और यूरोपीय संघ की यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यात्रा के दौरान विदेश मंत्री फ्रांस में द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। साथ ही बेल्जियम में विदेश मंत्री एस जयशंकर अपने समकक्ष से बात करने के साथ ही प्रवासी भारतीयों से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्री फ्रांस के पेरिस और मार्सिले की यात्रा करेंगे। जहां वे फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के अपने समकक्ष मंत्री जीन नोएल बरोट के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। वह फ्रांस के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ-साथ थिंक टैंक और मीडिया के साथ भी बात करेंगे।

अमेरिका में लोकप्रिय टिकटॉकर लेम हिरासत में

वॉशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसी दुनिया के सबसे प्रसिद्ध टिकटॉकरों में से एक खाबी लैम को वीज़ा समाप्त होने के कारण हाल ही में हिरासत ले लिया। अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आइसीई) ने यूनिसेफ गुडविल राजदूत एवं लगभग 1380 करोड़ अधिक फॉलोअर्स वाले लोकप्रिय टिकटॉकर को छह जून को लास वेगास के हैरी रीड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया था। इटली के नागरिक 25 वर्षीय सेरिंगे खाबाने लैम को छह जून को नेवादा के हैरी रीड इंटरनेशनल एयरपोर्ट (लास वेगास) पर इमिग्रेशन नियमों के उल्लंघन के कारण हिरासत में लिया गया।

बांग्लादेश के तीन नागरिकों को 3 माह की कैद

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई की एक स्थानीय अदालत ने भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेश के तीन नागरिकों को तीन महीने की कैद की सजा सुनाई है और प्रत्येक पर 500 रुपये के जुर्माना लगाया है। न्यायालय ने इनकी सजा अवधि पूरी होने के बाद तीनों को भारत से निर्वासित किए जाने का आदेश भी दिया। नौ जनवरी को मलाड ईस्ट में वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के पास एक होटल से एक बांग्लादेशी पुरुष को गिरफ्तार किया गया था जबकि सात मार्च को मलाड ईस्ट के कुरार गांव में स्थित ओमकार एसआरए बिल्डिंग के गेट के बाहर दो महिलाओं को पकड़ा गया था।

ई-बुक जारी कर मोदी सरकार ने गिनाई अपनी उपलब्धियां

11 वर्ष में 17 करोड़ रोजगार सृजित देशभर में दोगुने हुए मेडिकल कॉलेज

नई दिल्ली (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अपने 11 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर सरकार ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के शीर्षक वाली ई-बुक जारी की। इसमें कहा गया है कि सरकार ने 11 सालों में 17 करोड़ नई नौकरियां सृजित की हैं और देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या दोगुनी हुई है। इस ई-बुक में 11 वर्षों में देश के सामाजिक, आर्थिक और वैश्विक परिदृश्य में आए बदलावों को बताया गया है।

सरकार का दावा है कि इस अवधि में देश ने अनेक क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल इंडिया, महिला सशक्तिकरण, किसानों का कल्याण, रक्षा क्षेत्र और वैश्विक मंच पर भारत की साख जैसी उपलब्धियां शामिल हैं। ई-बुक के अनुसार, सरकार की नीतियों ने 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने में मदद की है, जो किसी भी सरकार के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। ई-बुक में अनुसार, मोदी सरकार में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में दोगुनी हुई हैं। नई शिक्षा नीति के साथ कौशल विकास और स्टार्टअप पर फोकस से हमारे युवा 'विकसित भारत' के संकल्प के अहम भागीदार बने हैं। ये हमारे लिए अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि आज देश का युवा राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। युवाओं की विश्व स्तरीय उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि हमारे युवाओं ने स्टार्टअप, विज्ञान, खेल, सामुदायिक सेवा और संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण योगदान दिया है।

■ **भाजपा मोदी के नेतृत्व में सबसे बड़ी पार्टी बनी :** भाजपा लोकतांत्रिक देशों के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन चुका है। भाजपा के पास 17 करोड़ से अधिक सदस्य हैं, जो इसे दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाते हैं। 2024 में मोदी ने भाजपा की सदस्यता अभियान की शुरुआत की थी, पार्टी ने और अधिक सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य रखा।

■ **कई देशों की आबादी से ज्यादा भाजपा के सदस्य :** सदस्यों की संख्या के आधार पर भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। भाजपा की सदस्य संख्या 17 करोड़ से अधिक थी, जो कि कई देशों की आबादी से भी ज्यादा है। उदाहरण के लिए, नीदरलैंड्स, बेल्जियम और स्विटजरलैंड की कुल आबादी मिलाकर भी भाजपा की सदस्य संख्या से कम है।

■ **नए कीर्तिमान स्थापित किए मोदी सरकार ने :** भारत ने ज्ञान, विज्ञान, खेल, शिक्षा, स्वच्छता, विकास और सुरक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। धर्म, सेवा-संस्कार के उदाहरण पेश कर जनता के हृदय में स्थान बनाया है। भारत मंडपम में होने वाले आयोजन में उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें गरीब कल्याण, बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर रहेगा।

प्रमुख उपलब्धियां

- *मोदी सरकार के 11 साल 9 जून को पूरे हो रहे हैं। इससे पहले केंद्र सरकार ने ई-बुक जारी कर 11 सालों की उपलब्धियां गिनाई हैं। इसे 'विकसित भारत का अमृत काल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 साल' नाम दिया गया है।*
- *ई-बुक में अनुसार, मोदी सरकार में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में दोगुनी हुई हैं। 2014 में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 थी, जो 2025 में बढ़कर 780 हो गई।*
- *एमबीबीएस सीटों की संख्या 51,348 से बढ़कर 2024 में 1.18 लाख हो गई हैं। मोदी सरकार ने पिछले 11 सालों में 17.1 करोड़ नई नौकरियां निकाली हैं।*
- *स्टार्टअप से 1.61 लाख युवाओं को नौकरी मिली है। स्किल इंडिया मिशन के तहत अब तक 2.27 करोड़ से अधिक युवाओं को ट्रेनिंग दी गई है।*

माहौल बिगाड़ने की कोशिश, माता मंदिर के पास फेंके मांस के टुकड़े

हिंदू संगठनों ने जताई नाराजगी, धार्मिक भावनाएं भड़काने का केस दर्ज

रतलाम (एजेंसी)

ऊंकाला रोड पर स्थित शीतला माता मंदिर के पास रविवार सुबह मांस के टुकड़े मिलने से सनसनी फैल गई। मंदिर के पुजारी सुबह पहुंचे तो उन्हें मंदिर के बाहर नाले की फर्शी पर मांस के टुकड़े दिखे। उन्होंने तुरंत अपने परिचितों को सूचना दी। कुछ लोग स्टेशन रोड थाने पहुंचे। सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया व स्टेशन रोड थाना टीआई स्वराज डाबी समेत पुलिस अमला मौके पर पहुंचा। आसपास के लोगों से चर्चा की। मंदिर के पुजारी की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया।

क्षेत्र के लोगों में आक्रोश बोले- तत्काल कार्रवाई करें : शीतला माता मंदिर के पुजारी रवि पिता सुनील प्रजापत रविवार सुबह करीब 7 बजे मंदिर का पट खोलने पहुंचे। साफ-सफाई के दौरान उनकी नजर मंदिर परिसर की दीवार के बाहर नाले के ऊपर फर्शी पर गई। जहां मांस के टुकड़े रखे हुए थे। क्षेत्रवासियों को इस बारे में बताकर परिचित संदीप कसेरा व राज शर्मा को बताया। सूचना मिलने पर हिंदू जागरण मंच के कमलेश्वर ग्वालियरी व अन्य जन पहुंचे। कमलेश्वर ने पुलिस नवे कहा कि आरोपियों को तत्काल पकड़कर कार्रवाई करें। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे तलाशे। सफाईकर्मियों को बुलाकर मांस के टुकड़े उठवाकर अन्यत्र फिकवाए। नगर निगम से फायर बिग्रेड बुलाकर परिसर को साफ कराया। घटना से क्षेत्रवासियों में आक्रोश है। मंदिर के पुजारी रवि प्रजापत की रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने का केस दर्ज किया है। पुलिस जांच में जुटी है। जिस जगह मांस के टुकड़े फेंके गए उस जगह दो गाय आकर खड़ी थी। गाय सूंघ रही थी तभी मांस के टुकड़ों की जानकारी लगी।

■ **सीसीटीवी फुटेज देखकर जांच कर रही पुलिस**

बटाला गोलीकांड : गैंगस्टर जग्गू का सहयोगी गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के सहयोगी निल्सन मसीह उर्फ सनी को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि मसीह घोमन बटाला में हुई सनसनीखेज गोलीबारी में शामिल था, जिसमें गोरा बरियार की मौत हो गई थी और बिल्ला मंडियाला घायल हो गया था। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास है, जिसमें हत्या, हत्या का प्रयास, डकैती, झपटमारी और शस्त्र अधिनियम के उल्लंघन के आरोप शामिल हैं।डीजीपी ने कहा कि प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि मसीह जग्गू भगवानपुरिया के नियमित संपर्क में था।

दिल्ली में 9 साल की मासूम के साथ दरिंदगी

कॉलोनी के एक घर में सूटकेस में बेहोश मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली के नेहरू विहार इलाके में शनिवार रात सूटकेस में गंभीर रूप से घायल बच्ची मिली। बच्ची अर्धनग्न हालत में थी। बच्ची के परिवार का आरोप है कि रेप के बाद उसकी हत्या का प्रयास किया गया। बच्ची की उम्र नौ साल बताई जा रही है।

पुलिस के बताया कि बच्ची के पिता उसे अस्पताल ले जा रहे थे। तब बच्ची बेहोश थी, अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पीड़ित परिवार ने कॉलोनी में ही रहने वाले नौशाद पर रेप के बाद हत्या का आरोप लगाया है। आरोपी घटना के बाद से फरार है। बच्ची के पिता ने बताया कि बेटी शनिवार शाम दादी के घर बर्फ देने गई थी। काफी देर तक जब वह वापस नहीं आई, तो तलाश शुरू की। पता चला कि बच्ची दादी के घर पहुंची ही नहीं थी। गली में खेल रहे बच्चों ने बताया कि उन्होंने बच्ची को पास के एक फ्लैट में जाते देखा था। जब परिजन उस फ्लैट पर पहुंचे, तो वहां ताला लगा था। ताला तोड़कर अंदर जाने पर एक सूटकेस मिला, जिसमें से खून रिस रहा था। सूटकेस खोलने पर बच्ची बेहोशी की हालत में मिली।

आरोपी की तलाश में उप्र के क्षेत्रों में छापेमारी

पुलिस ने प्रिवेंशन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंसेज ह) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में दिल्ली से सटे उत्तरप्रदेश की कई जगहों पर छापेमारी हुई है। आरोपी के भाई को हिरासत में लिया गया है। आरोपी नौशाद उसी फ्लैट में रहता है जहां सूटकेस में बच्ची मिली। वह बिरयानी बेचने का काम करता है। उसकी पत्नी मायके गई है, इस वजह से वह मकान में अकेला था। आरोपी की तलाश में पुलिस ने छह टीमें बनाई हैं। टीमें दिल्ली के अलावा यूपी के हापुड़, गाजियाबाद और आसपास के इलाकों में भी छापेमारी कर ही है।

केसरी फाउंडेशन की अनोखी सामाजिक पहल

मरीजों को मच्छरों से निजात दिलाने के लिए मच्छर मार मशीनें भेंट

इंदौर। सामाजिक क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय कार्य कर रही केसरी फाउंडेशन ने एक और सराहनीय पहल की है। संस्था ने हाल ही में इंदौर के एक अस्पताल में मरीजों को मच्छरों से राहत दिलाने के उद्देश्य से मच्छर मारने वाली आधुनिक मशीनें भेंट कीं। यह पहल मरीजों के स्वास्थ्य और आराम को ध्यान में रखते हुए की गई, जिससे अस्पताल परिसर में मच्छरजनित बीमारियों से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर केसरी फाउंडेशन की सक्रिय टीम के सदस्य ड्ड रोमा मल्होत्रा, मंदीप सिंह छाबड़ा, मनोज नजान, संजीव कुमार मल्होत्रा, तेजपाल सिंह चावला, लतिका नजान और मंजीत चावला उपस्थित रहे। साथ ही, ष्टस्न ग्रुप से श्रीमती वर्षा वाघ और मिशन हॉस्पिटल के डायरेक्टर सहित पूरा स्टाफ भी मौजूद रहा। सभी ने इस प्रयास की सराहना की और इसे समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश बताया। केसरी फाउंडेशन इससे पूर्व भी समाज के हित में अनेक अभिनव कार्य कर चुका है। कुछ दिन पहले ही संस्था ने एक बेरोजगार युवक को स्वयं का व्यवसाय आरंभ करने के लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं का व्यापार शुरू करने हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की थी। इंदौर में सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के क्षेत्र में केसरी फाउंडेशन ने अल्प समय में उल्लेखनीय पहचान बनाई है। संस्था स्वास्थ्य, स्वावलंबन, पर्यावरण और शिक्षा जैसे विविध क्षेत्रों में समाज सेवा हेतु तत्पर है और निरंतर प्रगति कर रही है। संस्था का यह प्रयास न केवल मरीजों के लिए राहतकारी सिद्ध होगा, बल्कि अन्य सामाजिक संगठनों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा।

देशभर में कोरोना के सक्रिय मामले 6000 से अधिक

24 घंटे में 400 नए मामले, 6 संक्रमितों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश के विभिन्न हिस्सों में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के लगभग 400 नये मामले सामने आये जिसके बाद इस संक्रमण के कुल सक्रिय मामलों की संख्या 6,000 हो गयी है। इस अवधि के दौरान देश में इस संक्रमण से छह लोगों की मौत हुयी, जिनमें से तीन मौतें केरल में हुयीं। अभी तक, भारत में 6,133 सक्रिय मामले हैं और कुल मौतों का आंकड़ा 65 है। केरल में सक्रिय मामलों की संख्या 2,000 के करीब पहुंच गयी है और यह इस संक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाला राज्य बन गया है। पिछले 24 घंटों में राज्यों से 378 नए मामले सामने आये।

केरल के बाद गुजरात इस मामले में दूसरे स्थान पर है। यहां सात जून से आठ जून के बीच संक्रमण के 105 नये मामले दर्ज किये गये। राज्य में कोरोना वायरस के सक्रिय मामलों की संख्या 820 से अधिक हो गयी है। केरल में एक ही दिन में 144 मामलों की वृद्धि जेएन.1 वैरिएंट की उच्च संक्रामकता को रेखांकित करती है। एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 जैसे प्रोटीन म्यूटेशन, हल्के लक्षणों से जुड़े हैं, लेकिन उनके तेजी से फैलने के लिए जाने जाते हैं।

पश्चिम बंगाल में 71 नए मामले

पश्चिम बंगाल में 71 नये मामले सामने आये, जिससे इसके सक्रिय मामलों की संख्या 693 हो गयी। दिल्ली में इस संक्रमण के 21 नये मामले दर्ज किये गये, जिसके बाद यहां पर सक्रिय मामलों की संख्या 686 तक पहुंच गयी। कर्नाटक में कोविड-19 के 75 नये मामले दर्ज किये गये। राज्य में अब तक इस संक्रमण से 366 लोग प्रभावित हुये हैं। महाराष्ट्र 600 मामलों के आंकड़े को छू रहा है। वहीं केरल में हुयी तीन मौतों में 51 वर्षीय एक मरीज ने किडनी ट्रांसप्लांट करायी थी। एक 64 वर्षीय व्यक्ति मधुमेह, कैंसर और किडनी की बीमारी से पीड़ित था।

संक्षिप्त समाचार

आईटीआई में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 12 को

सतना। कौशल विकास संचालनालय के तत्वाधान में तथा शासकीय आईटीआई के प्राचार्य के सहयोग से शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सतना में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 12 जून को प्रातः 10 बजे से किया जायेगा। जिसमें कंपनी मायलॉन लेबोराट्रीज लिमिटेड पीथमपुर धार में शैक्षणिक योग्यता 10वीं, फिटर, टर्नर, मशीनिष्ट, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, मोटर मैकेनिक, व्हीकल इलेक्ट्रानिक्स मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, ट्रैक्टर, इंजीनियरिंग ट्रेड में शासकीय आईटीआई में एनसीवीटी/एससीवीटी वर्ष 2024-25 में 60 प्रतिशत के साथ प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण अंतिम वर्ष में प्रशिक्षणरत पुरूष अभ्यर्थी शामिल हो सकते है। आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिक आयु 25 वर्ष निर्धारित है। प्लेसमेंट ड्राइव में आवेदक अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों एवं बायोडाटा सहित निर्धारित स्थान पर उपस्थित होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

भाजपा के मार्गदर्शक मंडल की करें चिंता : अजीत सिंह

सतना। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव अजीत सिंह ने लोकसभा मे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच दिये गये संबोधन पर भाजपा सांसद गणेश सिंह की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा है कि कांग्रेस मे सभी वरिष्ठ नेताओं का सम्मान है, भाजपा सांसद को अपमानित कर जबरन घर बैठा दिये गये भाजपा के मार्गदर्शक मंडल की चिंता करनी चाहिये। प्रदेश कांग्रेस सचिव अजीत सिंह ने अपने जारी बयान मे सांसद गणेश सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा है कि कांग्रेस मे सभी वरिष्ठ नेताओं का सम्मान व अभिव्यक्ति की आजादी है,यही कारण है कि 80 साल से अधिक आयु के श्री मल्लिकार्जुन खडगे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष है तथा विधानसभा-लोकसभा-राज्यसभा मे वरिष्ठ नेताओं की भरमार है वही भाजपा मे तो श्री लालकृष्ण आडवाणी, मुरलीमनोहर जोशी, यशवंत सिंहा जैसे दर्जन भर नेताओं को जबरन घर बैठा दिया।

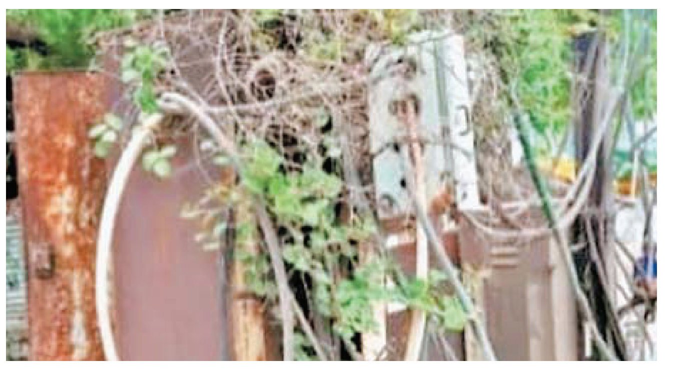

हादसे को आमंत्रण दे रहे खुले फ्यूज बाक्स

लोगों की जान ले सकती है विद्युत कंपनी की लापरवाही

सतना (नगर संवाददाता)

बिजली कम्पनी द्वारा मेंटीनेस व ट्री कटिंग के नाम पर भीषण गर्मी में घंटो बिजली बंद करने के साथ लाखों रूपए खर्च कर रहे हो। लेकिन हकीकत यह है कि शहरी क्षेत्र में कई जगहों पर फ्यूज बॉक्स के पास जगह-जगह झड़िया उगी हुई है, वहीं फ्यूज बॉक्स जर्जर है। ऐसे में छोटे बच्चे व जानवर कभी भी करंट की चपेट में आ सकते है। इस बात की जानकारी बिजली कम्पनी के मेंटीनेंस स्टॉफ को होने के बाद भी वह ध्यान नहीं दे रहा है, जिसका खमियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

शहर संभाग में 12 सौ से अधिक ट्रांसफार्मर

जानकारी के अनुसार शहर संभाग में 95 हजार उपभोक्ताओं के घरों में 1255 ट्रांसफार्मरों के माध्यम से बिजली आपूर्ति उपभोक्ताओं के यहां पहुंचाई जाती है। जिसमें से अधिकांश फ्यूज बॉक्स हमेशा खुले रहते है। ऐसे में लोगों के लिए खतरा बने हुए है। फ्यूज बॉक्स बंद कर दिया जाए तो बिजली से होने वाली असमय मौत से लोगों को बचाया जा सकता है। कई जगह के फ्यूज बॉक्स कंडम पड़े हुए है। जहां पर लगे भी हुए है, उनके भी बॉक्स खुले पड़े है।

जमीन पर पड़ी केबिलें

फ्यूज बॉक्स से जुड़ी केबिलों में 440 वोल्ट का करंट दौड़ रहा है, बारिश के मौसम में अगर केबिलें कटी हुई तो जमीन में करंट उतरने का खतरा हो सकता है। इन केबिलों को जमीन से ऊपर होना चाहिए मगर ऐसा नहीं है। बारिश के मौसम में ट्रांसफार्मरों के पास से गुजरना खतरे से खाली नहीं है। इसी तरह से कई जगहों पर जुगाड़ से बिजली की आपूर्ति की जा रही है। कई जगहों पर तार लटक रहे हैं जिसके कारण हवा में तारें आपस में जुड़ जाती हैं। विभाग द्वारा कहीं पर बांस की कमटी तो कहीं पर तारों में पत्थर बांधकर काम चलाया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में हालत अधिक खराब

गर्मी में तापमान बढ़ने के साथ ही बिजली वितरण व्यवस्था औंधे मुंह गिर चुकी है। विभाग की ओर से लगे हांफते ट्रांसफार्मर भी अब अपनी हिम्मत से पीछे हट रहे हैं। जिले के कई क्षेत्रों में जीर्ण-शीर्ण तारों के साथ लगे यह ट्रांसफार्मर भी पुराने होने के साथ लोड संभाल नहीं पा रहे हैं। विशेषकर स्थिति तो और बुरी तब हो जाती है जब पानी सप्लाई के समय बिजली कटौती की जाती है। प्राय- यह देखा जाता है कि गांव की स्थिति तो और भी विकट है। यहां समय पर मेंटीनेंस न होने के कारण कई घंटे लोगों को गुल हुई बिजली का शिकार होना पड़ रहा है।

झूलती तारों से हो रहे हादसे

जानकारी के अनुसार अभी हाल ही मेंग्राम गुड़ही लोहरौरा निवासी आदित्य दहायत ने बताया कि वह अपने गांव मोटर साइकिल से जा रहे थे। तभी मार्ग में एक झूलता हुआ तार अचानक गले में फंस गया। उनको पता ही नहीं चल पाया कि तार कितनी नीचे झूल रहा है। जिससे तार उनके गर्दन में फंस गई और वे नीचे गिर गए। दुर्घटना में उनके गले में गहरी चोट आई है। पेशे से ड्राइवर श्री दहायत को वाहन चलाने का बहुत अनुभव है पर बिजली की झूलती तार उनके लिए विपत्ति बन गई।

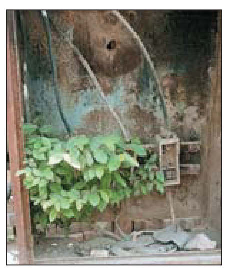

मध्यप्रदेश अधिवक्ता संघ का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन व महाकुम्भ का आयोजन

जिस पहिए पर हम सवारी कर रहे हैं उसका गंतव्य न्याय की ओर जाता है इसलिए न्यायालय को न्याय का मंदिर भी कहा गया है-न्यायमूर्ति एन.के जैन

सिरोंज। महावीर तपोभूमि उज्जैन में जैन अधिवक्ता एसोशियन का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्वामी के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर की गई। उक्त कार्यक्रम में न्याय मूर्ति एंव स्टेट बार काउंलिग के सदस्य एन के जैन,न्याय मूर्ति जे.के जैन,सुर्पीम कोर्ट दिल्ली के एडवोकेट राहुल जैन,हाई कोर्ट एडवोकेट अंकित जैन,युवा अधिवक्ता एंव आईजा के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट राजीव जैन सैनानी,वरिष्ठ अधिवक्ता आईजा के प्रदेश सलाहकार एडवोकेट अभय जैन भैया जी सहित मध्यप्रदेश के जैन अधिवक्ता इस महाकुंभ में शामिल हुए। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रज किशोर जैन द्वारा की गई। इस मौके पर न्यायाधीश जरत कुमार जैन इंदौर,अधिवक्ता सदस्य एमपी स्टेट बार नरेन्द्र कुमार जैन,वरिष्ठ अधिवक्ता राजमल जैन महिदपुर,वरिष्ठ अधिवक्ता प्रकाश चंद जैन खंडवा,जैन अधिवक्ता एसोसिएशन मध्य प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार जैन शहडोल,दि.जैन सामाजिक संसद अध्यक्ष अशोक जैन,राष्ट्रीय अध्यक्ष जैन ग्लोबल विजय सुराना उज्जैन,अधिवक्ता डॉ. राजेश जैन,मनोज जैन,राजेंद्र जैन,अमित कुमार जैन इंदौर मौजूद रहें।

संस्था के उद्धेश्य व पूर्व में किए गए कार्यो की दी जानकारी - कार्यक्रम का संचालन करते हुए हाई कोर्ट एडवोकेट

अमित जैन ने संस्था का उद्धेश्य एंव पूर्व में किए गए कार्यो की जानकारी दी। साथ ही संगठन की मजूबती के लिए प्रदेश स्तरीय एंव संभाग,जिला व ब्लॉक स्तर पर संगठन में नई नियुक्तिया करने की बात कही। तो वही स्टेट बार कांउलिंग के सदस्य न्याय मूर्ति एन.के जैन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत किया जाए। साथ ही वकीलो के लिए जानकारी देते हुए उन्होने कहा कि क्लैम व स्टेट बार काउंलिंग द्वारा दी जा रही सुविधाओं का पूरा लाभ लें व जैन तीर्थ क्षेत्रो की रक्षा के बारे में अधिवक्ताओं को अपनी अहम भूमिका निभाने को कहा गया। उन्होने कहा कि जैन तीर्थ क्षेत्र की सुरक्षा व रक्षा के लिए अधिवक्ताओं संगठित हो व अपने संगठन के लिए संमर्पित होकर अपनी सेवाएं दे। सुर्पीम कोर्ट एडवोकेट राहुल जैन ने अपने द्वारा तैयार की गई नवीन कानूनी प्रक्रियाओ से अवगत कराया। उनके इस लेक्कर की समस्त अधिवक्ताओं ने प्रसन्नसा की। वही युवा अधिवक्ता एंव आईजा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव जैन सैनानी ने संगठन का विस्तार करने एंव संगठन का रजिस्टेशन व संगठन के लिए राशि एकत्रित करने के लिए अपने सुझाव व्यक्त किए। उन्होंने कहा युवाओं को चाहिए कि वह इस वकालत के व्यवसाय की गरिमा को और बढ़ाएं। अपने वरिष्ठ से सीखकर न्यायालय में आने वाले वादकरियों की मदद करें। उन्होने कहा कि बार और बेंच का ऐसा संबंध है, जैसा एक मानव और गाड़ी के दो पहियों का होता है। अधिवक्ता अपने मुवक्किल के लिए कठोर परिश्रम करता है।

50 वर्षो से वकालत करने वाले वकीलो का हुआ सम्मान - इस अवसर पर कार्यक्रम में जैन समाज के वरिष्ठ अधिवक्ता जो कि लगभग वर्षो से एक वकील के रूप में अपनी सेवाएं दे रहें है। ऐसे लगभग आधा दर्जन अधिवक्ताओ का न्याय मूर्तियो द्वारा मंच पर सम्मान किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता अभय जैन भैया जी ने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं को चाहिए कि वह युवा वकीलों के साथ विभिन्न कानूनों पर चर्चा करें। उन्हें टास्क दें और कहें कि सभी को दस दिन के अंदर इन प्रश्नों के उत्तर लेकर आना है। जो युवा वकील उनके प्रश्नों के अच्छा व्याखान लेकर आए, उन्हें प्रोत्साहित करें। उनकी कमियों को दूर करने का प्रयास करें। बार और बेंच की व्यवस्थायें बनी रहनी चाहिए और इन्हें समानांतर रूप से कार्य करते रहना चाहिए। जहां बार अच्छा है इसका मतलब है कि वह स्थान भी अधिवक्ताओं के लिये अनुकूल और बेहतर है। उन्होने कहा कि यदि आपके समक्ष कभी भी कोई समस्या आती है तो आप उसे जिला एवं सत्र न्यायाधीश के समक्ष रख सकते हैं। वे इस समस्याओं का अवश्य ही निदान करने का प्रयास करेंगे।

न्यायालय को न्याय का मंदिर कहा जाता है - न्याय मूर्ति एंव स्टेट बार काउंलिग के सदस्य एन के जैन ने कहा कि में एक न्यायधीश के रूप में पूरी ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठ के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करता हूं। उन्होंने ह्वील आफ जस्टिस का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस पहिए पर हम सवारी कर रहे हैं उसका गंतव्य न्याय की ओर जाता है। इसलिए न्यायालय को न्याय का मंदिर भी कहा गया है । उन्होंने कहा कि पक्षकारों को सरल सस्ता एवं सुलभ न्याय प्राप्त हो यही उनकी इच्छा है और हम सबको मिलकर इसे पूर्ण करना है। वही उन्होने कहा कि बार और बेंच के मध्य सामंजस्य होना चाहिए जिससे पक्षकारों को लाभ मिलेगा और न्याय में पारदर्शिता बनी रहेगी।

समिति चुनाव के इंतजार में बीत गए 6 साल

भारसाधक अधिकारी के भरोसे मंडी, नहीं हो रहे चुनाव

सतना (नगर संवाददाता)

प्रदेश की ए ग्रेड मंडी में शुमार सतना की कृषि उपज मंडी में पहली बार वर्ष 1966 में किसान नेता केशव प्रताप सिंह ने अध्यक्ष के तौर पर कार्यभार संभाला था। इसके बाद जब-जब चुनाव हुए तो किसानों ने अपना प्रतिनिधि मंडी भेजा। लेकिन कृषि उपज मंडी का दुर्भाग्य यह भी रहा कि यहां किसानों को अपना जनप्रतिनिधि चुनने के लिए कई बार लंबा इंतजार करना पड़ा। यही हालात इन दिनों पुनः मंडी में देखने को मिल रहा है। जब चार साल बीत जाने के बाद भी कृषि उपज मंडी समिति के चुनाव नहीं हो सके। मंडी समिति के बीते पांच दशक के कार्यकाल पर नजर दौड़ाई जाए तो देखने में आता है कि यहां पर दो दशक से अधिक समय तक मंडी अध्यक्ष की जगह भार साधक अधिकारी ही आसीन रहे।

2019 से खाली है अध्यक्ष की कुर्सी

2013 में निर्वाचित मंडी समिति का कार्यकाल 6 जनवरी 2019 को पूरा हो चुका है। लेकिन तब से आज तक मंडी की बागडोर शासन द्वारा तैनात भारसाधक अधिकारी के जिम्मे है। ऐसे में मंडी में किसानों की समस्याओं को सुनने के लिए किसानों के प्रतिनिधि नहीं मिल पा रहे हैं।

ऐसी होती है मंडी समिति

कृषि उपज मंडी समिति के लिए 12 सदस्यों को निर्वाचन किया जाता है। जिनमें से दस सदस्यों को निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लडऩा होता है। इन सदस्यों को किसान सदस्य मत देते हैं। वहीं दो सदस्यों जिनमें से एक व्यापारियों का प्रतिनिधि होता है और दूसरा हम्मालों -तुलावटी का प्रतिनिधित्व करता है। निर्वाचित सदस्यों में से ही अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष चुना जाता है। मंडी समिति समय-समय पर किसानों की समस्याओं, मंडी की व्यवस्थाओं पर निर्णय लेती है।

कौन कब रहा अध्यक्ष

कृषक प्रतिनिधि	कब से कब तक
केशव प्रताप सिंह	जनवरी 1966 - जनवरी 1970
कमलेश सिंह	अप्रैल 1976 - सितंबर 1977
सूर्यवली सिंह	सितंबर 1979 - मार्च 1982
ददन सिंह तिवारी	मार्च 1982 - मार्च 1983
अशोक सिंह	नवंबर 1985 - नवंबर 1990
केपी सिंह परिहार	नवंबर 1990 - नवंबर 1991
जगदीश सिंह	मार्च 2000 - जुलाई 2007
रामकली मिश्रा	जुलाई 2005 - जुलाई 2011
शीला सिंह	जनवरी 2013 - जनवरी 2019

कब- कब रहे भारसाधक अधिकारी

- 16 मई 1970 से 15 अप्रैल 1976
- 21 सितंबर 1977 से 17 सितंबर 1979
- 22 मार्च 1983 से 05 नवंबर 1985
- 03 अप्रैल 1993 से 15 मार्च 2000
- 23 जुलाई 2011 से 06 जनवरी 2013
- 07 जनवरी 2019 से अभी तक

चंदेल कालीन मंदिर का जीर्णोद्धार शिवलिंग की हुई प्राण प्रतिष्ठा

सतना (नगर संवाददाता)

चित्रकूट के गुप्त गोदावरी में खंडर हो चुके मंदिर का जीर्णोद्धार युवा समाजसेवी विक्रम पटेल के द्वारा कराया गया है। बुधवार को गंगा दशहरा के पवन पर्व में मंदिर में शिवलिंग और नंदी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा विधि विधान के साथ की गई। गुप्त गोदावरी से तकरीबन आधा किमी पहले चंदेल काल के 3 मंदिर थे जो रख-रखाव के अभाव में खंडहर में तब्दील हो रहे हैं। क्षेत्र में मौजूद ऐतिहासिक धरोहर को मिटते देख युवा समाजसेवी विक्रम ने इसके जीर्णोद्धार का संकल्प लिया था, जिसको उन्होंने पूरा किया। मंदिर का जीर्णोद्धार कराने वाले युवा समाजसेवी विक्रम ने कहा कि भारतीय समाज में मंदिर सनातन धर्म के प्रतीक रहे हैं।

गुप्त गोदावरी के निकट स्थित मंदिरों का तो आस्था के साथ साथ ऐतिहासिक महत्व भी है। क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर के नष्ट होते देखकर क्षोभ होता था जिसके चलते इसके जीर्णोद्धार का संकल्प लिया और उसको पूर्ण किया। धार्मिक पर्यटन पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंदिर विशिष्ट आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

नमन | मनाया गया छत्रपति शिवाजी महाराज का 350वां राज्याभिषेक दिवस

सर्व समाज ने शिवाजी की वीर गाथा को किया याद

सतना (नगर संवाददाता)

छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक पूर्ण विधि विधान के साथ सरदार वल्लभ भाई पटेल ट्रस्ट सतना में मनाया गया। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में सर्व समाज के लोगों बढ़-चढकर हिस्सा लिया। सर्व प्रथम अतिथियों द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज के छाया चित्र में माल्यार्पण कर उनको नमनकिया। कार्यक्रम में राज्याभिषेक उपरांत विचार संगोष्ठी रखी गई। जिसमें वक्ताओं ने अपने विचार प्रकट किए। मप्र कुर्मी क्षत्रिय समाज के जिलाध्यक्ष डॉ. दुर्योधन सिंह ने अपने व्यक्तव्य मे कहा कि आज से साढ़े तीन सौ वर्ष पूर्व, जब छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ था, तो उसमें स्वराज्य की ललकार और राष्टीयता की जय-जयकार समाहित थी। उन्होंने हमेशा भारत की एकता और अखंडता को सर्वोपरि रखा था। विक्रम सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक मात्र 16 वर्ष की आयु में 6 जून 1674 में किया गया था। उन्हें जिस विकट परिस्थितियों में छत्रपति बनाया गया उन्होंने उसका बाखुबी पालन करते हुए भारतीय समाज में एक नई क्रांति लाई।

इन्होंने किया संबोधित

इस अवसर पर जिपं सदस्य ज्ञानेन्द्र सिंह ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने ना सिर्फ क्रमणकारियों का मुकाबला किया बल्कि जनमानस में ये विश्वास भी पैदा किया कि स्वयं का राज संभव है। प्रियांक त्रिपाठी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का व्यक्तित्व अद्भुत था। उन्होंने स्वराज की भी स्थापना की और सुराज को भी साकार किया। वो अपने शौर्य के लिए भी जाने जाते हैं और सुशासन के लिए भी। महिला नेत्री मनीषा सिंह ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता, विचारधारा और न्यायप्रियता ने कई-कई पीढियों को प्रेरित किया है। उनकी साहसिक कार्यशैली, सामरिक कौशल और शांतिपूर्ण राजनीतिक प्रणाली आज भी हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में संयोजक विक्रम सिंह बिसेन छत्रपति शिवाजी महाराज शोभा यात्रा समिति, जिला पंचायत के सदस्य व सभापति ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू, भारतीय दूरसंचार सलाहकार समिति के सदस्य केके त्रिपाठी, मध्य प्रदेश कुर्मी क्षत्रिय समाज के जिले के अध्यक्ष डॉ दुर्योधन सिंह, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनीषा सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रियंक त्रिपाठी, विजय सिंह गहरवार, नितिन मिश्रा, सुग्रीव सिंह, अभिमन्यु सिंह, श्यामा प्रसाद लोकेश सिंह एवं अनिल सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

मंदाकिनी के उद्गम स्थल में चलाया गया सफाई अभियान

सतना (नगर संवाददाता)

विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा के अवसर पर, चित्रकूट की जीवनदायिनी मां मंदाकिनी नदी के उद्गम स्थल सती अनुसुइया घाट पर एक भव्य सफाई और जनजागरूकता अभियान चलाया गया। यह पहल जनभागीदारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनी, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, और आम जनता ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अभियान में उपवनमण्डलाधिकारी चित्रकूट, अभिषेक तिवारी, वन परिक्षेत्राधिकारी चित्रकूट, विवेक सिंह, और वन अमले ने सक्रिय भूमिका निभाई।इस दौरान झरी के सरपंच, ग्रामोदय यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर, शिक्षकगण, ग्राम वन समिति के अध्यक्ष और सदस्य, तीर्थ यात्री, और बड़ी संख्या में जनमानस ने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया।

संक्षिप्त समाचार

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसो. की बैठक 8 को

रीवा। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसियेशन म.प्र. जिला शाखा रीवा की बैठक संघ कार्यालय कोठी कम्पाउण्ड रीवा में 8 जून को दोपहर 1:30 बजे से होगी, बैठक में 02 जुलाई 2025 को भोपाल में प्रान्तीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई है, जिसे लेकर महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

पशु चिकित्सा महा.में आयोजित हुआ विधिक जागरूकता शिविर

रीवा। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रीवा के द्वारा पशु चिकित्सा महाविद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती प्रतिभा शर्मा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ने अपने उद्बोधन में पॉक्सो अधिनियम एवं सायबर कानूनों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि पॉक्सो अधिनिय में बालक-बालिकाओं की सुरक्षा हेतु कड़े प्रावधान किए गए हैं और इस संबंध में हम सब को जागरूक रहने और जागरूक करने की आवश्यकता है ताकि बालक-बालिकाएं सुरक्षित रह सकें।

कांग्रेस नेताओं ने श्यामशाह मेडिकल कालेज के डाक्टरों की खोली पोल

सैलरी ले रहे सरकार की और ड्यिुटी बजा रहे नर्सिंग होम की

तीन नर्सिंग होम में एक ही डाक्टर की नियमित स्थापना,125 वर्ष से जारी है लायसेंस

रीवा (नगर संवाददाता)

रीवा जिले के कार्यकारी अध्यक्ष किसान नेता कुंवर सिंह पटेल व प्रदेश प्रवक्ता विनोद शर्मा एवं अरुण तिवारी मुन्नू ने संभागीय कमिश्नर से मिलकर बताया कि रीवा जिले के श्याम शाह मेडिकल कॉलेज में पदस्थ चिकित्सक जो नियमित पद पर महाविद्यालय में पदस्थ है तथा शासन के अनुसार वेतन प्राप्त करते हैं व उपरोक्त चिकित्सक प्राइवेट नर्सिंग होम में परमानेंट चिकित्सक के रूप में पदस्थ हैं एवं वहां भी पूरे समय ड्यूटी करते हैं कुछ चिकित्सक श्याम शाह मेडिकल कॉलेज में बैठकर बीमार व्यक्तियों को अपने नर्सिंग होम में भेज कर भयंकर लूट कर रहे हैं।

उदाहरण के तौर पर अष्टभुजा नर्सिंग होम जवा में डॉक्टर विजय कुमार तिवारी जिनकी जन्म तिथि वर्ष 1900 एवं हरि अस्पताल त्यौथर में डॉ विजय कुमार तिवारी की जन्म तिथि 1 जनवरी 1954 इसी प्रकार विंध्या अस्पताल में डॉ विजय कुमार तिवारी की जन्म तिथि 1 जनवरी 1954 तीनों जगह एक ही चिकित्सक परमानेंट पद पर रहकर कार्य कर रहे हैं जबकि 125 वर्ष से कैसे कोई डॉक्टर का लाइसेंस जारी किया गया एवं शायद डॉक्टर विजय कुमार तिवारी अब इस दुनिया में नहीं भी है।

इसी प्रकार शांति नर्सिंग होम में डॉक्टर प्रियंका त्रिपाठी डॉक्टर अवतार सिंह दोनों मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक एवं शांति नर्सिंग होम में परमानेंट कार्य कर रहे हैं व इसी नर्सिंग होम में डॉक्टर के के परौहा जो 85 वर्ष के हैं नियमित चिकित्सा के रूप में कार्यरत हैं इसी प्रकार नेशनल हॉस्पिटल द्वारका नगर में डॉक्टर पूजा गहरवार नियमित पद पर कार्य कर रही हैं डॉक्टर अखिलेश सिंह पटेल कार्य कर रहे हैं तथा डॉक्टर अखिलेश सिंह पटेल डॉक्टर अतुल्य अस्पताल

गुढ में भी नियमित पद पर कार्य कर रहे हैं। इसी प्रकार मिनर्वा हॉस्पिटल खन्ना टावर के पास डॉक्टर निधि गुप्ता डॉक्टर श्रुति सोमवाल डॉक्टर सत्येंद्र कुमार डॉक्टर दिवेश गावंडे यह सभी शासकीय चिकित्सा होते हुए भी प्राइवेट नर्सिंग होम में नियमित पद पर कार्य कर रहे हैं। इसी प्रकार बिहान हॉस्पिटल रतहरा में डॉ करण सरोज कपूर डॉक्टर अभिलाष सिंह डॉक्टर श्रद्धा चंद्राकर डॉक्टर जो शासकीय चिकित्सा हैं साथ में परमानेंट चिकित्सक के रूप में नर्सिंग होम में भी पदस्थ हैं और कार्य कर रहे हैं।

इसी प्रकार वरदान नर्सिंग होम में डॉक्टर कल्पना यादव डॉक्टर शब्द सिंह यादव डॉक्टर अवतार सिंह यादव डॉक्टर नेहा खटीक सभी मेडिकल कॉलेज के नियमित चिकित्सा हैं और सभी प्राइवेट नर्सिंग होम में भी नियमित रूप से कार्य कर रहे हैं। इसी प्रकार राजकली नर्सिंग होम सनौरी रोड केवट एवं श्रीहरि हॉस्पिटल बरौली ठाकुरऑन जवा में डॉक्टर बृजेंद्र नाथ शर्मा इसी प्रकार जेपी रीवा प्लांट में डॉक्टर देवेंद्र लक्ष्मी चंद गांधी व डॉक्टर संतोष कुमार पाठक भी नियमित रूप से सेवाएं दे रहे हैं। इसी प्रकार डॉक्टर प्रमोद जैन जिनकी जन्मतिथि वर्ष 1900 दी गई है जो की 125 वर्ष बाद भी नियमित सेवा दे रहे हैं।

लायसेंस निरस्त व पद से पृथक करने की मांग

बताया गया कि उपरोक्त चिकित्सक जब प्राइवेट नर्सिंग होम में बैठकर चिकित्सीय कार्य करते हैं एवं महाविद्यालय एवं शासकीय अस्पताल में दूर दराज से आए हुए बीमार पीड़ित व्यक्तियों को देखकर उपरोक्त परेशान व्यक्तियों को अपने नर्सिंग होम में भेज कर लूट कराने के लिए रेफ़र कर रहे हैं एवं मात्र वेतन प्राप्त करने के लिए शासकीय अस्पताल में उपस्थित रहते हैं जबकि सरकार की मनसा के अनुसार जो भी चिकित्सा अस्पताल के अलावा कहीं कोई उपचार करते हैं उसकी एक निश्चित राशि रोगी कल्याण समिति में जमा कराई जाती है रीवा जिले के अंदर कोई भी डॉक्टर ने किसी प्रकार की कोई राशि रोगी कल्याण समिति में नहीं जमा कराई है। कुंवर सिंह पटेल विनोद शर्मा ने माग की है कि शासकीय अस्पताल एवं अपने नर्सिंग होम दोनों जगह नियमित रूप से वेतन लेने वाले समस्त चिकित्सकों के विरुद्ध विधि संगत कार्यवाही की जाए एवं नर्सिंग होम के लाइसेंस जारी करने वाले मुख्य चिकित्सा अधिकारी रीवा के विरुद्ध पद से पृथक कर व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से जांच कराए जाने की कार्यवाही करने की कृपा करें ताकि लोकतंत्र में गरीब जनता को भी सस्ता सुलभ उपचार मिल सके।

अक़ीदत मंदी के साथ मनाया गया ईद उल अजहा पर्व

नमाज़ पढ़ी, गले मिले और अदा की कुरबानी

रीवा (नगर संवाददाता)

इस्लामिक कैलेंडर के 12 वें महीने ज़िलहिज्जा की 10 तारीख अंग्रेजी तारीख 07 जून को पूरे देश की तरह रीवा शहर एवं जिले में भी कुरबानी की भावना का प्रतीक ईद उल अज़्हा पर्व पूरी शाइस्तगी एवं अक़ीदतमंदी के साथ मनाया गया, सुबह मुस्लिम भाई ग़ुस्ल आदि से फ़ारिग होकर इस्लामिक लिबास मे नमाज़ स्थलों में एकत्र हुए तथा ईद उल अज़्हा की दो रकात वाजिब नमाज़ अदा की। शरीअत हिलाल तस्दीक़ कमेटी द्वारा ईदगाह सहित शहर के 22 नमाज स्थलों में नमाज का वक्त मुकर्रर किया गया था, इसी के मुताबिक बीहर नदी के तट पर स्थित मुख्य ईदगाह घोघर रीवा में तकरीबन 15 हज़ार

मुस्लिम भाइयों को शहर क़ाज़ी मुफ्ती मोहम्मद मुबारक अजहरी ने ईद उल अजहा की दो रकात नमाज अदा कराई।

नमाज के बाद शहर काजी मुफ्ती मोहम्मद मुबारक अजहरी ने परवरदिगार की बारगाह में हाथ फैलाकर मुल्क एवं अपने शहर में अमन चैन खुशहाली के साथ हाजियों के हज को कुबूल करने की जा रही कुरबानी को कुबूल करने की दुआ मांगी। शहर की अन्य 21 मस्जिदों में मुकामी पेश इमामों ने ईद उल अजहा की नमाज अदा कराई, केंद्रीय जेल में मुस्लिम बंदियों को भी कमेटी द्वारा नियुक्त पेश इमाम मौलाना रऊफ रज़्वी ने जेल स्थित मस्जिद में नमाज़ अदा कराई, त्यौहार के मौके पर प्रशासन द्वारा कमेटी की मांग के अनुरूप सभी आवश्यक प्रबंध किए गए नमाज़ स्थलों तथा उनसे सम्बद्ध मार्गो में यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रही, नमाज़ के उपरांत मुस्लिम भाइयों ने अपने-अपने घरों में कुरबानी अदा की कुरबानी का सिलसिला 09 जून तक चलता रहेगा। त्यौहार को लेकर बच्चों और नौजवानों में विशेष उत्साह देखने को मिला, हिंदू भाइयों ने मुस्लिम भाइयों से गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद पेश की, जिले के अन्य कस्बाई इलाकों में भी ईद उल अजहा का त्योहार पूरी अक़ीदतमंदी के साथ मनाया गया।

विंध्य आइकॉन सोल्जर सम्मान से सम्मानित हुये आदर्श

रीवा (नगर संवाददाता)

स्नेहा इवेंट एंड मैनेजमेंट मुंबई, विष्णु श्रीनिवास मिश्र द्वारा रीवा के माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता यूनिवर्सिटी रीवा में सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सैनिकों,प्रतिष्ठित समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान देश,दुनिया में योग का ज्ञान देने वाले आदर्श को विंध्य आइकॉन सोल्जर सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह दौरान रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा, गुढ़ वरिष्ठ विधायक नागेंद्र सिंह,पद्मश्री बाबूलाल दहिया संजय गांधी हॉस्पिटल ज्वाइन डायरेक्टर डॉ राहुल मिश्रा ,प्रेसिडेंट इंडिया फाइन आर्ट्स डॉक्टर हरिश मेहता, वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमल सिंह,वरिष्ठ समाजसेवी नारायण डिगवानी,शब्द सांची अध्यक्ष विभु सुरी, पर्वत रोही विक्रम अवार्ड श्री रत्नेश पांडे, श्रीमती मणिमला सिंह, देशराज मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ लोग उपस्थित रहे।

स्नेह शिक्षण संस्थान द्वारा मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

नवस्वदेश ■ रीवा

लखौरीबाग स्थित स्नेह शिक्षण एवं मानव सेवा संस्थान के अंतर्गत संचालित स्नेह मंद बुद्धि एवं मूक बधिर विद्यालय एवं प्रयास दिशा सेन्टर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आम, जामुन, नीबू आदि के फलदार एवं छायादार पौधे लगाये गये। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष राम सेवक साहू, प्राचार्या ऊषा साहू सहित अन्य स्टॉफगण, अभिभावकगण एवं बच्चे आदि उपस्थित रहे।

सेवा सुशासन व गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने पर

भाजपा की जिला कार्यशाला का हुआ आयोजन

■ 2047 तक भारत मजबूत,सशक्त और सम्पन्न होगा:सांसद जनार्दन

रीवा (नगर संवाददाता)

अटल कुंज भाजपा कार्यालय में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 साल के सफल शासनकाल की सफलता को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला में मुख्य अतिथि सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 साल के सफल नेतृत्व में अमृतकाल के रूप में खुशी मना रहे है। जिसमें हमारे प्रधानमंत्री जी ने गरीबों के लिए आवास योजना, महिलाओं के उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना लोगो को दी, जनधन योजना के माध्यम से हमारे भारत के लाखों करोड़ो रू. भ्रष्टाचार से बच जाता है। जिसका लाभ भारत के गरीब जनता को मिलता है, किसान सुखी सम्पन्न है। भारत हर प्रकार से मोदी जी नेतृत्व में विकास कर रहा है और आने वाले समय 2047 तक में भारत मजबूत, सशक्त और सम्पन्न होगा। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे सफल नेतृत्वकर्ता व मार्गदर्शक जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 11 साल सफलता पूर्वक पूर्ण होने पर सभी कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता को बधाई देते है। आज भारत एक सफल समृद्धशाली देश प्रधानमंत्री मोदी जी के सफल शासनकाल मे बन चुका है। आज हम मजबूत व सशक्त है, जिसका श्रेय मोदी जी को जाता है। साथ ही विश्व के सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के सफल नेतृत्व को जाता है, जिसमें छोटे से लेकर बडे कार्यकर्ता दिनरात मेहनत करके कार्य करता है। वही जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता जी अगामी दिनों में होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को दी। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी शशांक श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत देश को मजबूत, अखण्डता और समृद्धशाली बनाने का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सफल नेतृत्व को जाता है। उन्होंने ने कहा आज भारत तरक्की के राह पर है, हर प्रकार से भारत के लोग समृद्धशाली और मजबूत होते जा रहे है।

जिला प्रभारी ने सुशासन साल के सफलता को लेकर अगामी जून में होने वाले कार्यक्रम की जानकारी पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं को दी। इस अवसर पर मंच में मनगवां विधायक नरेन्द्र प्रजापति, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, डॉ. अनिल पटेल प्रदेश सह मीडिया प्रभारी, जिला उपाध्यक्ष, उमाशंकर पटेल, नारायण मिश्रा, विवेक गौतम रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री ममता गुप्ता ने किया तथा आभार प्रदर्शन कार्यक्रम संयोजक नरेन्द्र शर्मा द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में उपस्थित पूर्व विधायक पंचूलाल प्रजापति, श्यामलाल द्विवेदी, राम सिंह, राजेन्द्र ताम्रकार, रावेन्द्र मिश्रा, महाबली गौतम, रमेश गर्ग, गौरव तिवारी, जिला महामंत्री अशोक सिंह गहरवार, रामजी प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष संजय द्विवेदी, कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह, जिला मंत्री शरद साहू, सुनील सोहगौरा, नीलू रावत, रीतेश मिश्रा, मंडल, संजय मिश्रा, पार्टी के सभी मंडल अध्यक्ष, विभिन्न कार्यक्रम के जिला टोली व मंडल टोली के संयोजक सदस्य सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घटना

हाल जानने पहुंचे कुंवर,लापरवाहों पर कार्यवाही की मांग

पहड़िया कचरा प्लांट की भट्ठी में झुलसा कर्मचारी

रीवा (नगर संवाददाता)

कांग्रेस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं किसान नेता कुंवर सिंह पटेल एवं प्रदेश प्रवक्ता विनोद शर्मा ने पहाड़िया के कचरा प्लांट उसके ठेकेदार रैम की एवं रीवा हॉस्पिटल के प्रबंधन के मिली भगत को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि (पहाड़िया कचरा प्लांट) अनियमितताओं का ठिकाना बना हुआ है। आए दिन हादसों को दावत दिया जा रहा है। एक महीने में प्लांट के अंदर 3 लोगों का जल जाना, फिर नौकरी से निकाल देना , आम बात सी हो गई है। पहाड़िया कचरा प्लांट में 6 जून को सफाई करने वाले, बिना टेनिंग दिए कर्मचारी श्रीलाल कहार

को धमकी देकर आग से भरी भट्ठी में बिना सेफ्टी गार्ड के काम करवाने में मजबूर किया गया। कर्मचारी के मना करने के बाद नौकरी से निकलवाने की धमकी दी गई, जिसका नतीजा था कि कर्मचारी श्रीलाल कुहार की हालत गंभीर बनी हुई है, जिनका इलाज़ रीवा हॉस्पिट में चल रहा है। आश्चर्य सबसे बड़ा यह है कि रीवा हॉस्पिटल में बर्न यूनिट ही नहीं है इसके बावजद भी एक जले हुए श्रमिक को किस अधिकार से रीवा हॉस्पिटल ने भर्ती किया है क्या साठ घाट और मिलीभगत किसी की जान ले सकती है या बिना किसी अधिकार के रीवा में किसी की जान लेना आम बात हो गई है सवाल ये कि कर्मचारी को बिना ट्रेनिंग काम क्यों करवाया गया जिसका काम दूसरा है ? घायल कर्मचारी को क्या परमिशन मिली है ? सेफ्टी डिपार्टमेंट, जोखिम भरे काम में कर्मचारियों को सेफ्टी गार्ड, किट क्यों नहीं देते कुंवर सिंह पटेल व विनोद शर्मा ने कहा है कि यदि श्रमिकों को उचित न्याय नहीं मिला तो सड़क पर आंदोलन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचताघायल कर्मचारी का उचित इलाज़ और आगे की सुरक्षा की जवाबदारी क्या रीवा एमएसडब्लू लेगा?लापरवाही करने वाले अधिकारी, डिपार्टमेंट के हेड को कंपनी से निकाल क्यों नहीं जा रहा ?ज़ख्मी कर्मचारी श्रीलाल कुहार की जिंदगी, परिवार का पालन पोषण की जिम्मेदारी क्या रीवा एमएसडब्लू लेंगे ? कुछ महीने में 4-5 हादसे हो चुके है, 4-5 परिवारों का पालन-पोषण और आर्थिक स्थिति बत्तर हो चुकी है, इसका जिम्मेदार कौन ? रीवा एमएसडब्लू (पहाड़िया कचरा प्लांट) में और कितने हादसे होंगे, कितने लोगों की जिंदगी बर्बाद होगी ? कितने परिवार अभी और तबाह होंगे ?

पौधा लगाये, सभी कष्टों से मुक्ती संग समृद्धि पाये: आशीषाचार्य

रीवा (नगर संवाददाता)

भारतीय संस्कृति पूरी तरह प्रकृति पर आधारित है, तिथि वार नक्षत्र, योग व करण का पचांग पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है वहीं जन्म नक्षत्र के अनुसार पौधे लगाने पर समृद्धि आती है ऐसा जानकारों एवं विद्वानों का मानना है। भागवताचार्य आशीषाचार्य जी महराज वृन्दावनोपासक बताते हैं कि सनातन संस्कृति शास्त्रों में नक्षत्रों के आधार पर पौधा रोपण किया जाय तो अरोग्य व समृद्धि निश्चित है। आशीषाचार्य ने जन्म नक्षत्र के अनुसार पेड़ पौधे के नाम बताये हैं। अश्वनी नक्षत्र-कुचिला बांस,भरणी-आंवला,कृतिका-गलार,रोहणी-खैर,मगशिरा-

खैर,आद्रा-रेशम बहेड़ा,पुर्नवशु-बांस,पुष्यपीपल,अश्लेषा-नागकेशर,मघा-वरगद,पूर्व फाल्गुनी-गूलर,उत्तरा फाल्गुनी-नारियल,हस्ता-बेल नारियल,चित्रा-अर्जुन,स्वाती-कटाई बकुल,विशाखा-मौलश्री,अनराधा-अशोक,जेष्ठा-कटहल फाल्सा,मूल-मदार,पूर्वाषाढ़ा-काटे वाली शमी,उत्तराषाढ़ा-कदम,अभजित-गुड़हल,श्रावण-अदार आक,धनिष्ठा-वेलपत्र,शतभिषा-दूर्वा,पूर्व भाद्रपद-आम एवं रेवती नक्षत्र में नीम का पौधा लगाना लाभकारी माना जाता है।

संपादकीय

लेटलतीफी की चिंता

मभारत के वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने सार्वजनिक मंच से रक्षा-सौदों की लेटलतीफी पर चिंता जताई है, तो यह कोई सामान्य टिप्पणी या सरोकार नहीं है। सीआईआई के बिजनेस समिट में वायुसेना प्रमुख ने कहा कि ऐसा कोई रक्षा प्रोजेक्ट नहीं है, जो तय समय पर पूरा हुआ हो। जब रक्षा सौदों के करार पर दस्तखत किए जाते हैं, तब जानकारी होती है कि यह प्रोजेक्ट समय पर पूरा नहीं होगा, लेकिन फिर भी हस्ताक्षर कर दिए जाते हैं। यहीं से पूरी प्रक्रिया बिगड़ जाती है। एयर चीफ मार्शल ने यहां तक संकेत दिए हैं कि इसी से युद्ध की तैयारियां प्रभावित होती हैं। वायुसेना प्रमुख ने यह खुलासा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रक्षा सचिव आरके सिंह की उपस्थिति में किया है, जाहिर है कि यह चिंता एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी तक पहुंचेगी। प्रधानमंत्री और वायुसेना प्रमुख की रूबरू मुलाकातें भी होती रही हैं। उनमें भी यह मुद्दा उठा होगा। देश की वायुसेना लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टर और अन्य रक्षा-उपकरणों का संकट और समयहीनता उस परिदृश्य में झेल रही है, जब चीन ने पाकिस्तान को 5वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान जे-35 ए देने की घोषणा की है। चीन ऐसे 30-35 विमान पाकिस्तान को मुहैया कराएगा, जबकि भारतीय सेना के पास 5वीं पीढ़ी का एक भी लड़ाकू विमान नहीं है। दुश्मन को कमतर नहीं आंकना चाहिए। वायुसेना प्रमुख का यह रहस्योद्घाटन तब सार्वजनिक हुआ है, जब भारत की वायुसेना 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में आतंकियों के बड़े अड्डे 'मिट्टी-मलबा' कर चुकी है, करीब 170 आतंकियों को ढेर कर चुकी है और कई प्रमुख एयरबेस, रडार और एयर डिफेंस सिस्टम तबाह कर चुकी है। 'ऑपरेशन सिंदूर' हमने अपनी वायु-शक्ति की बदौलत ही जीता है, लिहाजा वायुसेना प्रमुख की ये चिंताएं बेहद गंभीर हैं। चीफ मार्शल पहले भी फरवरी, 2025 में एक ट्रेनर जेट के कॉकपिट में बैठे हुए कह चुके हैं कि उन्हें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स (एचएएल) पर भरोसा नहीं है। एचएएल मिशन मोड में काम नहीं कर रही है। बहरहाल अब उन्होंने निजी क्षेत्र की कंपनियों को आगे आने का आह्वान किया है। भारत में 21 निजी कंपनियां रक्षा-उत्पादन के क्षेत्र में सक्रिय हैं, जबकि सरकारी नेतृत्व की 16 सार्वजनिक कंपनियां भी जुड़ी हैं। इस क्षेत्र में कुल 430 अन्य कंपनियों के अलावा सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम 16,000 से अधिक हैं, जो रक्षा-उपकरणों के कल-पुरजे बनाते हैं। इतना व्यापक क्षेत्र होने के बावजूद हमारे लड़ाकू विमान लेटलतीफी के शिकार हैं, जाहिर है कि कारण असामान्य ही होंगे। हालांकि एयर चीफ मार्शल ने न तो किसी प्रोजेक्ट विशेष और न ही कंपनी का नाम लिया, लेकिन यह समयहीनता हमें भारी पड़ सकती है। कुछ उदाहरण गौरतलब हैं। तेजस एमके 1ए हल्के लड़ाकू विमान मई, 2024 तक उपलब्ध होने चाहिए थे। 2021 में एचएएल के साथ 83 विमानों का अनुबंध किया गया था, लेकिन अभी तक एक भी नहीं मिल पाया है। इसी तरह तेजस के अन्य किस्म के विमान का अभी 'प्रोटोटाइप' भी नहीं बना है। 2026 तक ऐसे 200 विमान सप्लाई करने का करार किया गया था। विमानों की डिलीवरी में देरी का बुनियादी कारण 'जीई एयरोस्पेस कंपनी' का इंजन रहा है, जो स्वदेशी लड़ाकू विमानों में लगना है। वायुसेना प्रमुख का मानना है कि जो आज करना है, उसे आज ही किया जाना चाहिए। हमें भविष्य की तैयारियों के लिए आज ही तैयार होना होगा।

दूरगामी सोच का परिणाम है वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

ऐसा नहीं है कि इन हालातों से सरकार अनजान हो यहीं कारण है कि राजस्थान की भजन लाल सरकार ने मानसून के ठीक पहले पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून से 20 जून तक समूचे प्रदेश में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित कर रही है।

जल है तो कल है कि चुनौती के बीच राजस्थान की भजन लाल सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में मानसून से पूर्व 5 जून से 20 जून तक वंदे गंगा जल संरक्षण- जन अभियान इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि राजस्थान सहित पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, दादरा-नगर हवेली और दमन दीव देष के ऐसे राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश है जहां भूजल की निकासी भूजल के पुनर्भरण से कहीं अधिक हो रही है। अगर राजस्थान ही की बात करें और वह भी शुद्ध पेयजल की बात की जाए तो पीने योग्य पानी और उसकी उपलब्धता में 30 फीसदी का अंतर है। 30 प्रतिशत का अंतर कोई छोटा मोटा अंतर नहीं है ऐसे में इसे भलीभांति समझा जा सकता है कि राज्य सरकार को नागरिकों के लिए पीने के शुद्ध पानी की उपलब्धता बनाये रखने की चुनौती से कैसे दो-चार होना पड़ता होगा। वास्तव में यह गंभीर समस्या है। समूचे विश्व में पानी की उपलब्धता का संकट है। यदि हम भारत की ही बात करें तो 1950 में जहां प्रतिव्यक्ति सालाना 5200 घनमीटर पानी की उपलब्धता थी वह 2024 आते आते 1401 घनमीटर रह गई है और यदि विशेषज्ञों की माने तो 2050 तक यह उपलब्धता 1191 घनमीटर ही रह जाने की संभावना हो गई है। यही कारण है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों कहा कि हमें पानी के उपयोग के संदर्भ में कम करें, पुन: उपयोग करें और पुन: चक्रित करने की नीति पर चलना होगा। देश में जल के पुनर्भरण में लगातार कमी आ रही है। प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता में आज भारत 182 वें स्थान पर आ गया है। भूजल की उपलब्धता को देखा जाए तो 1950 से 2024 के दौरान 73 प्रतिशत की कमी आ गई है। दिल्ली, चैन्नई, पुणे, हैदराबाद, मुंबई सहित देश के अनेक छोटे बड़े शहर पेयजल की गंभीर समस्या से जुझ रहे हैं।

विश्वव्यापी जल संकट को देखते हुए राजस्थान की भजन लाल सरकार की इस पहल को महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए। दरअसल देश में उपलब्ध भूजल का 87 प्रतिशत उपयोग खेती किसानी में होता है तो 11.7 प्रतिशत उपयोग घरेलू कार्यों और लगभग 2 प्रतिशत उपयोग ही औद्योगिक क्षेत्र में होता है। संकट का बड़ा कारण परंपरागत जल संग्रहण स्रोतों का नष्ट होना, उनमें अवरोध होना, बढ़ती आबादी और शहरी क्षेत्र में आबादी का घनत्व बढ़ने के साथ ही अत्यधिक पानी की आवश्यकता वाली उपज को बढ़ावा देने से जल दोहन अधिक होने लगा है। सीवेज के कारण पानी का अत्यधिक उपयोग, बरसाती जल का प्रोपर संग्रहण नहीं होना, जंगलों का कंक्रिट के जंगलों में बदलना और पानी के अन्य कार्यों में भी अत्यधिक उपयोग से पानी का संकट दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। अनियमित बरसात और बरसाती चक्र में बदलाव को भी एक कारण माना जा सकता है। आज जितने पानी के पीने के लिए आवश्यकता होती है उससे कई गुणा अधिक पानी फ्लस करने, वाहनों की धुलाई, पौधों के रखरखाव व अन्य कार्यों में होने लगा है। सीमेंट, लोहा, जस्ता और अब एमसेंड आदि उद्योगों के लिए भी अधिक पानी की आवश्यकता होने लगी है।

एक समय था जब सावन भादों में बरसात की झड़ी लगती थी और कई दिनों तक सूर्य देवता के दर्शन नहीं होते थे तो उस झड़ी का पानी सीधे जमीन में जाता था और वह प्राकृतिक वाटर हार्वेस्टिंग का सिस्टम होता था। सड़कों के साथ साथ ढ़लान क्षेत्र होता था और वहां एकत्रित पानी क्षेत्र में जल स्तर बढ़ाने के साथ ही पशुओं के पीने के काम भी आ जाता था। राजस्थान में रेगिस्तानी इलाकों में टांके आदि परंपरागत जल संग्रहण के साधन होते थे आज हम इन्हें भूलते जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि गिरते भूजल स्तर और जल संग्रहण को लेकर सरकार गंभीर ना हो। बल्कि कहना तो यह होगा कि सरकार अत्यधिक गंभीर होने के बावजूद जो परिणाम आने चाहिए वह प्राप्त नहीं हो सके हैं। इसका एक प्रमुख कारण दूरगामी सोच के साथ नीति और क्रियान्वयन का ना होना भी है। सरकार द्वारा वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सरकार स्तर पर बड़े स्तर पर बनाने और निजी मल्टी स्टोरिज व सरकार गैरसरकारी संस्थानों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने पर जोर और बनाये जाने के बावजूद उनकी गुणवत्ता को लेकर सवाल इसलिए उठते रहते हैं कि ना तो रखरखाव पर ध्यान दिया जाता है और ना ही पानी के बहाव का पूरा ध्यान देने के कारण यह अपने उद्देश्यों पर खरे नहीं उतरे हैं।

ऐसा नहीं है कि इन हालातों से सरकार अनजान हो यहीं कारण है कि राजस्थान की भजन लाल सरकार ने मानसून के ठीक पहले पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून से 20 जून तक समूचे प्रदेश में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित कर रही है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया है और स्वयं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक प्रमुख समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका की मुहिम पर रामगढ़ में श्रमदान में हिस्सा लेकर आमजन को संदेश दिया है। राज्य सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के दौरान जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल प्रदूषण में कमी, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता, भूजल पुनर्भरण, व्यवहार परिवर्तन से बेहतर जल उपयोग और व्यापक स्तर पर पौधारोपण के हरियालो राजस्थान की तैयारी आरंभ की है। रामगढ़ राजस्थान की राजधानी जयपुर की किसी जमाने में पेयजल की उपलब्धता के लिए जीवन रेखा माना जाता था और 1982 के एशियाड़ की नौकायन प्रतियोगिता के बाद इसके बहाव क्षेत्र में अतिक्रमणों का जो ग्रहण लगा वह इसे सूखे मैदान में बदल कर रख दिया है। पिछले लंबे समय से रामगढ़ को पुनर्जीवित करने की मुहिम चल रही है लगता है सरकार ने यहां वैकल्पिक स्रोत से पानी लाने की जो योजना बनाई है और समग्र प्रयासों से परंपरागत पानी के अवरुद्ध रास्ते चलने लगते हैं तो रामगढ़ को नया जीवन मिल सकेगा। रामगढ़ तो एक उदाहरण मात्र है देश व प्रदेश में ऐसे हजारों की संख्या में जल संग्रहण स्रोत है जो अतिक्रमणों व शहरीकरण की भेंट चढ़ रहे हैं।

शहरीकरण के विस्तार के समय यदि परंपरागत जल बहाव क्षेत्रों से छेड़छाड़ नहीं की जाए तो हालात इतने अधिक नहीं बिगड़े पर पैसा कमाने का लालच हमारें आने वाली पीढ़ी के लिए संकट लाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पाणी रो मान राखो-जीवण रो ध्यान राखो समयानुकूल संदेश दिया है। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि सभी मंत्रियों और प्रभारी सचिवों को इस कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्वयं मुख्यमंत्री श्रमदान कर रहे हैं। निश्चित रुप से इससे अवेयरनेस तो आयेगी ही जनभागीदारी भी बढ़ेगी। देश के सभी राज्यों में इस तरह के अभियान चलाये जाने चाहिए। भले ही आज कुछ राज्यों में पानी का संकट दिखाई नहीं दे रहा हो पर पानी की बचत और भूजल के संग्रहण के प्रति हमें गंभीर होना ही होगा। पानी के पुन: उपयोग और पेयजल के अतिरिक्त अन्य कार्यों के लिए पुन:चक्रिकृत पानी के उपयोग को आदत बनाना होगा। हांलाकि पानी के पुन:चक्रिकरण के लिए अभी व्यापक स्तर पर काम करने की आवश्यकता है। सरकार को प्राथमिकता से एसटीपी बनाने होंगे और इस तरह के पानी का उपयोग बढ़ाना ही होगा। भूजल के संग्रहण और भूजल के दोहन के बीच समन्वय बनाना होगा नहीं तो आने वाला समय बहुत अधिक चिंतनीय और गंभीर होगा, इसमें किसी तरह का संदेह नहीं होना चाहिए। सही मायने में कहा जाए तो वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान सरकार की दूरगामी सोच का जनहितेषी कार्यक्रम माना जाना चाहिए क्योंकि सरकार की समझ और गंभीरता को इसीसे से समझा जा सकता है कि कार्यक्रम को आमजन से जोड़ने के लिए ही जनअभियान नाम दिया गया है।

भगदड़ में मौतें, जिम्मेदार कौन?

आदित्य कुमार चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

बैंगलुरु में आईपीएल 2025 चैम्पियन रॉयल चैलेंज बैंगलुरु की जीत का जश्न क्षण भर में त्रासदी में बदल गया जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर टीम के स्वागत में उमड़े हूजूम में भगदड़ मच गई। जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 33 लोग घायल हो गए। पहले आरसीबी टीम की महानगर की सड़कों पर विक्ट्री परेड का कार्यक्रम था जिसे पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से रद्द कर दिया था। स्टेडियम के बाहर 3 लाख के करीब भीड़ जमा हो गई थी। भगदड़ में जो गिरा वह उठ नहीं पाया। भीड़ के चलते एम्बुलैंस भी देर से पहुंची। तब तक 5 महिलाएं और 6 युवक दम तोड़ चुके थे। हैरानी की बात तो यह है कि स्टेडियम के बाहर लाशें गिर रही थीं लेकिन स्टेडियम के भीतर जश्न चलता रहा। राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और अन्य वीआईपी आरसीबी टीम के खिलाड़ियों के साथ तस्वीरें खिंचवाने में व्यस्त थे। किसी को भी यह जानने की फुर्सत कहां थी कि बाहर क्या हो रहा है।

भारत में भगदड़ के हादसों में मौतों का सिलसिला कोई नया नहीं है। कुम्भ मेले और उत्तर प्रदेश के एक धार्मिक समागम में अनेक लोगों की मौतें हो चुकी हैं। विदेशों की बात करें तो पिछले 10 दिन में खेल जगत का यह तीसरा हादसा है जब जीत का जश्न मातम में बदल गया हो। हाल ही में इंग्लैंड में फुटबाल टीम लिवरपूल ने ईपीएल जीतने का जश्न मनाया, जिस दौरान एक शख्स ने जश्न मना रहे प्रशंसकों पर कार चढ़ा दी। भगदड़ में 109 लोग घायल हो गए। एक जून को?फ्रांस में पीएसजी फुटबाल टीम के चैम्पियन लीग जीतने पर विक्ट्री परेड हुई जिसमें 2 की मौत हो गई और 190 लोग घायल हुए। बैंगलुरु हादसे की जिम्मेदारी से न तो सिद्धारमैया सरकार भाग सकती है और न ही पुलिस और प्रशासन। चिन्नास्वामी स्टेडियम के आसपास की सड़कों पर पूरी तरह अव्यवस्था का आलम था और जिन्दगी ठहर सी गई थी। जब विधानसभा सौंध में आरसीबी खिलाड़ियों को राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों ने सम्मानित किया तब तक बाहर लाखों लोग इकट्ठा हो चुके थे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई तैयारी नहीं की गई थी। स्टेडियम की क्षमता 35 हजार की है लेकिन जब तीन लाख लोग पहुंच जाएं तो स्थिति काबू से बाहर होनी ही थी। जब भगदड़ मचती है तो लोग गिरते हैं और भागते लोगों के पांव तले कुचले जाते हैं। भगदड़ के दौरान कई लोग गिर सकते हैं और कुचले जा सकते हैं, लेकिन मौत का सबसे आम कारण कंप्रेसिव एस्फिक्सिया है, जो एक खतरनाक स्थिति है जो तब होती है जब शरीर पर बाहरी दबाव के कारण सांस लेना बंद हो जाता है। इंसान अपने फेफड़ों से हवा को अंदर और बाहर सांस की नली के जरिए ऑक्सीजन लेते हैं। जबकि हमारा ब्लड हमारे शरीर में कोशिकाओं तक ऑक्सीजन पहुंचाता है, कार्बन डाइऑक्साइड बाहर निकलता है। भगदड़ के दौरान, भीड़ में फंसे लोग एक-दूसरे से टकराते हैं। इसका मतलब है कि हिलने-डुलने की कोई जगह नहीं रहती है। इसके कारण मांसपेशी, डायफ्राम को सिकुड़ने (कसने) और सपाट होने (आराम करने) से रोकता है, जिसका अर्थ है कि हवा फेफड़ों में प्रवेश नहीं कर सकती या बाहर नहीं निकल सकती। जब ऐसा होता है तो यह जल्दी से कार्बन डाइऑक्साइड के निर्माण और ऑक्सीजन की कमी के साथ संपीड़ित और सांस लेने में दिक्कत होती है। इंसान का शरीर लंबे समय तक ऑक्सीजन के बिना काम नहीं कर सकता क्योंकि यह जल्दी से अंग विफलता और मस्तिष्क की मृत्यु का कारण बन सकता है।

दक्षिण भारतीय लोगों का फिल्म स्टारों के प्रति जितना जुनून है उतना क्रिकेट खिलाड़ियों के प्रति भी है। दक्षिण भारतीय लोग क्रिकेट खेलते हैं, देखते हैं और इस पर चर्चा करते हैं। वे एक तरह से क्रिकेट को जीते हैं। वैसे तो क्रिकेट पूरे देश में लोकप्रिय है, लेकिन तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और केरल जैसे दक्षिण भारतीय राज्यों में जुनून कुछ ज्यादा ही है। दक्षिण भारत ने भारतीय क्रिकेट टीम को बेहतरीन खिलाड़ी दिये हैं, जैसे कि राहुल द्रविड़, वी.वी.एस. लक्ष्मण, अनिल कुम्बले, रविचन्द्रन अश्विन आदि। 90 के दशक के आरम्भ में कर्नाटक ने इतने महान खिलाड़ी पैदा किए कि 11 में से 6 अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी कर्नाटक से थे। अन्तर्राष्ट्रीय और घरेलू टूर्नामैंटों सहित प्रमुख आयोजन दक्षिण भारत में लोगों को अधिक आकर्षिक करते हैं। आखिर लोग क्रिकेट के प्रति इतने दीवाने क्यों हैं। क्या यह मार्किटिंग का नतीजा तो नहीं? जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था का विकास होता गया और संचार माध्यमों का विकास हुआ वैसे-वैसे क्रिकेट का क्लब संस्करण सामने आया। क्रिकेट के क्लब संस्करण ने मनोरंजन का ऐसा तिलिस्म पैदा कर दिया कि लोगों को रात के समय फ्लड लाइट्स में रंग-बिरंगे कपड़े पहने खिलाड़ियों को खेलते देख आनंद आने लगा। ऐसे वातावरण में क्रिकेट के प्रति समर्पित प्रशंसकों का समूह बढ़ता गया।

दुखद बात यह है कि भारत ने अभी तक भीड़ प्रबंधन करना नहीं सीखा। उत्सव मनाने गए लोग भगदड़ का शिकार हो जाते हैं। यह भी तथ्य है कि कुछ देश बड़े-बड़े आयोजन करते हैं, इसके बावजूद हादसे नहीं होते और लोग सुरक्षित घरों को लौट जाते हैं लेकिन जहां हादसे होते हैं वहां भीड़ प्रबंधन की कला का अभाव साफ दिखाई देता है। भारत में तो भीड़ में अफवाहों के चलते भी भगदड़ मच जाती है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को जीत के आयोजन के लिए नियम तय करने होंगे। पुलिस बल और अन्य बलों और प्रशासन को भीड़ के आंकलन और प्रबंधन कला का प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए, तभी ऐसे हादसे रुक सकते हैं।

खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर भारत

आज वैश्विक खाद्य सुरक्षा दिवस पर विशेष

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

एक समय था जब भारत अपनी खाद्यान्न आपूर्ति के लिये दूसरे देशों की दया पर निर्भर था। हमारे पास न उस समय कृषि के साधन थे, और न ही उन्नत तकनीक थी। फलत: आज का वही कृषक पहले अपनी कृषि से वैसा उपज नहीं प्राप्त कर पाता था, जैसा कि आज वह प्राप्त कर रहा है। आज कई मायनों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्म निर्भर हो चुका है। इस संबंध में समाजशास्त्रियों का भिन्न-भिन्न मत है। कुछ कहते हैं कि ये ठीक है कि आज हम खाद्यान्न उपज के मामले में पूर्व से बहुत बेहतर हैं, पर आज हमारी जनसंख्या भी तो बहुत बढ़ गई है, जिससे हमारी खाद्यान्न उत्पादन की बढ़ी हुई क्षमता तो जैसी की तैसी ही रह गई अर्थात हम जहाँ पहले वे आज भी वहीं है कोई परिवर्तन नहीं है। जबकि दूसरे मत के समाजशास्त्री कहते हैं कि भारत में जनसंख्या की वृद्धि हुई है यह सही बात है, पर इस तथ्य को भी हमें नहीं भूलना चाहिये कि यहाँ अब श्रम करने वाले हाथ भी तो उतने ही बढ़ गये हैं, जो खाद्यान्न उत्पादन के लिये आवश्यक है। अर्थात जहाँ कम क्षेत्रफल में कम हाथों (श्रमजीवी किसान) द्वारा जो कार्य किया जा रहा था। बहुत सीमित एरिया सीमित मात्रा में था, वह अब असीमित होकर हमारी क्षमता को बेहतर और वृहत्तर बना रहा है।

वैसे दूसरा मत वास्तविकता के नजदीक जान पड़ता है, ऐसा मुझे लगता है। एक दिन मैं एक पुरानी पत्रिका जो मई 1973 को प्रकाशित हुई थी, उसके पृष्ठ को पढ़ रहा था तो उसमें एक जगह सरकारी विज्ञापन दिखाई दिया जिसमें लिखा था,.. कम अनाज खाइये खाद्यान्नों के मूल्य कम करना आपके हाथ में है, गेहूँ चावल कम खाईये, सप्ताह में कम से कम एक बार बिना अनाज का भोजन लीजिये। उक्त विज्ञापन से साफ जाहिर होता है कि आज से कुछ वर्षों पूर्व हम खाद्यान्न के मामले में बहुत पीछे थे, हमारे यहाँ खाद्यान्नों जैसे गेंहू, चावल की बहुत कमी थी ,तभी तो सरकार ने मजबूर होकर ऐसा विज्ञापन दिया रहा होगा। पर क्या आपने आजकल गत वर्षों में ऐसा कुछ विज्ञापन देखा है...? इसका जवाब होगा बिलकुल नहीं। इसका मतलब यही हुआ न कि अब हमारे यहाँ वैसी स्थिति नहीं है जैसी पहले हुआ करती थी। अब तो यह स्थिति है कि अब हम चायपत्ती उत्पादन में विश्व में प्रथम चावल में द्वितीय, गेहूँ में, तीसरी एवं चीनी उत्पादन में दूसरे, कपास में भी दूसरा स्थान पर है। देश में चावल का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला राज्य प. बंगाल एवं दूसरा आंध्र प्रदेश है, किंतु चावल की प्रति हेक्टेयर उपज पंजाब में सर्वाधिक है, मध्यप्रदेश आज देश में, सोयाबीन का उत्पादन करने वाला सबसे बड़ा राज्य है। देश में मध्यप्रदेश ज्वार में प्रथम, तुअर में तथा अन्य दालों में द्वितीय, गेहूँ एवं चने में तृतीय और धान (चावल) में तीसरा स्थान रखता है। किंतु प्रतिव्यक्ति औसत उत्पादन में पंजाब और हरियाणा के पश्चात तृतीय है।

सरसरी तौर पर देखा जाये तो यह निश्चित है कि खाद्यान्न उत्पादन के मामले में हमारा देश एक सीमा तक आत्मनिर्भर हो चुका है। आज स्थिति यह है कि गेहूँ, चीनी हमारे यहाँ गोदामों में ठसाठस भरे पड़े हैं, उनके सुरक्षित रखने की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। पिछले वर्षों में गन्ना का रिकार्ड उत्पादन होने के कारण कृषकों को औने पौने दाम पर अपनी उपज बेचने पर मजबूर होना पड़ा था। वर्तमान में पूरी दुनिया ये जान चुकी है कि भारत अब खाद्यान्न उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर एवं काफी तरक्की कर चुका है। पंजाब हरियाणा के कृषक तो अब बहुत आगे निकल चुके हैं। हमारे, गोदाम अब लबालब भरे पड़े रहते हैं। परंतु हमें यह देखकर निश्चिंत होने की कतई जरूरत नहीं है, हमें नित नए तकनीको को इस्तेमाल करने की जरूरत है जिससे के ऊपज और फसलें बढ़े, जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ती रहें । साथ ही उत्पादकता भी बड़े यह तो तय है, कि हर आने वाला वर्ष अपने साथ बढ़ी हुई जनसंख्या को लेकर आएगा। तो इसके लिए हमें निश्चित तौर पर यह तैयारी करनी होगी कि हर पेट को अन्न मिले। और खाद्यान्न की किसी भी प्रकार की कमी ना होने पाएं। वह इसके साथ हमें इसके लिए भी चौकन्ना रहना है कि आज के हमारे भारत देश की लगभग एक सौ अड़तीस करोड़ की जनता के लिए हर पेट को भोजन मिल सके और सब की पूर्ति हो सके। इसके लिए इतना अनाज जिसे शीतकेंद्रों, अनाज गोदामों व अनाज केंद्रों में रखने की वैसी ही सुदृढ़ व्यवस्था का होना अत्यंत ही आवश्यक है। इसके लिए भारत के हर राज्य में हर जगह हर स्थान में एक निश्चित योजना के अनुरूप बड़े-बड़े खाद्यान्न गोदामों की श्रृंखला विभिन्न राज्य सरकारें एवं केंद्र सरकार सुंदर योजना बनाकर तैयार किया जाना आवश्यक है। तभी तो हम करोड़ों मीट्रिक टन अनाजों को हम सुरक्षित और उपयोगी बनाकर रख सकेंगे। यह उतना ही आवश्यक तथ्य है, जितना कि अनाज का उत्पादन और उसकी सुरक्षाका ख्याल रखना उतना ही जरूरी है जितना कि उसका उत्पादन करना।

नारी शक्ति का नया चेहरा : सरहद पर लिखेगी इतिहास

आकाश चौपरा

भारत की बेटियां अब उस सेना का हिस्सा बन चुकी हैं जो दुश्मनों की नींद उड़ा देंगी। ये वही बेटियां हैं जिन्होंने अपनी मेहनत, हिम्मत और जज्बे से इतिहास रच दिया है। पुणे की नेशनल डिफेंस एकेडमी से पहली बार 17 महिला कैडेट्स ने तीन साल की कठिन ट्रेनिंग के बाद पासआउट होकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। गौरतलब है कि 2021 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यूपीएससी ने एनडीए के लिए लड़कियों को आवेदन की इजाजत दी थी। 2022 में एनडीए के 148वें कोर्स में पहली बार 19 महिला कैडेट्स को एडमिशन मिला था, जिनमें 10 आर्मी के लिए, 6 एयरफोर्स और 3 नेवी के लिए चुनी गई थीं। इनमें से दो ने ट्रेनिंग के दौरान रिजाइन कर दिया। यानी अब जो 17 बेटियां पासआउट हुई हैं, वो वही हैं जिन्होंने अगस्त 2022 में एनडीए ज्वॉइन किया था और तीन साल की कड़ी ट्रेनिंग के बाद 300 से ज्यादा पुरुष कैडेट्स के साथ पासआउट हुई हैं। तीन साल एनडीए की ट्रेनिंग पूरी करने के बाद हर कोर्स के लिए एक पासिंग आउट परेड होती है। इसके बाद कैडेट्स अपनी-अपनी सेवा शाखा की प्री-कमीशनिंग एकेडमीज में जाते हैं। आर्मी वाले आईएमए देहरादून, नेवी वाले आईएनए एझिमाला और एयरफोर्स वाले एएफए डुंडीगल जाते हैं। वहां वो एक साल की और ट्रेनिंग करते हैं और फिर राष्ट्रपति द्वारा कमीशन मिलने के बाद भारतीय सेना के अधिकारी बनते हैं। ये महिला कैडेट्स नौसेना और वायुसेना की सेवा में शामिल होंगी। अब महिलाएं सिर्फ सैन्य प्रशिक्षण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि फ्रंटलाइन पर तैनात होकर फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं, कमांडिंग पोस्ट पर आसीन हैं और सेना में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में 'ऑपरेशन सिंदूर' में महिला अधिकारियों की भागीदारी ने साफ कर दिया कि महिलाएं अब सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा में सक्रिय भागीदार हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह जैसी अधिकारी इस बदलाव की मिसाल हैं।

भारत में देवी लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की पूजा की जाती है। अब वही शक्ति सशस्त्र बलों, संसद, न्यायालय और विज्ञान के क्षेत्र में नजर आ रही है। यह सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि वास्तविक बदलाव है। एनडीए की ट्रेनिंग पूरी तरह से जेंडर न्यूट्रल होती है। हां, कुछ फिजिकल एक्टिविटीज में लड़कियों की बॉडी स्ट्रक्चर को ध्यान में रखते हुए हल्के बदलाव किए गए हैं लेकिन ट्रेनिंग का स्तर और चुनौती बराबर है।

इन तीन सालों ने इन बेटियों को न सिर्फ एक अफसर बल्कि एक मजबूत और जांबाज इंसान बना दिया है जो अब देश की सरहदों की हिफाजत करेंगी और अब वक्त है कि पाकिस्तान भी भारत की इन शेरनियों की ताकत देखे। हरियाणा की हरसिमरन कौर अब इंडियन नेवल एकेडमी जाएंगी। कौर ने बताया, एनडीए ज्वॉइन करने के पीछे मेरा यही उद्देश्य था कि मैं मिलिट्री में जल्दी करियर शुरू कर पाऊं। मेरे पिता आर्मी से हवलदार के पद से रिटायर हुए हैं। मेरे दादा भी आर्मी में ही थे। यही वजह है कि आर्म्ड फोर्सेज से मैं गहरा जुड़ाव महसूस करती हूं। एनडीए पास करने वाली पहली महिला कैडेट्स में श्रीती दक्ष भी शामिल हैं। श्रीती के पिता एयरफोर्स में विंग कमांडर रह चुके हैं। श्रीती कहती हैं कि जैसा उन्होंने सोचा था, एनडीए का एक्सपीरियंस उससे भी बेहतर है। एकेडमी में आकर उन्हें समझ आया कि मिलिट्री ट्रेनिंग का असली एक्सपीरियंस कैसा होता है। परेड से पहले श्रीती ने कहा था-कुछ ही देर है, जब वो पल महसूस कर पाऊंगी जो मेरे पिता ने भी एक समय पर महसूस किया होगा। इशिता सांगवान नॉन-मिलिट्री बैकग्राउंड से आती हैं। उनके माता-पिता कॉर्पोरेट सेक्टर में जॉब करते हैं और बड़े भाई आईटी प्रोफेशल हैं। 2022 में इशिता इकोनॉमिक्स से ग्रेजुएशन कर रही थीं, जब एनडीए में लड़कियों को एडमिशन की परमिशन मिली। इशिता ने अप्लाई किया और सिलेक्शन हो गया। गोवा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नाविका सागर परिक्रमा द्धद्ध के विजयी दल में शामिल लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा और लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के. का स्वागत किया है। बता दें कि लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा और दिलना भारतीय नौसेना के नौकायन पोत तारिणी पर सवार होकर दुनिया की परिक्रमा को सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस दुर्लभ उपलब्धि को पूरा करते हुए लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए. और लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के. गोवा के तट पर पहुंची। इस असाधारण नौकायन अभियान को 2 अक्तूबर 2024 को गोवा के नौसेना महासागर नौकायन नोड से रवाना किया गया। करीब 25 हजार नॉटिकल मील, यानी 43 हजार किलोमीटर से भी अधिक दूरी का सफर, 8 महीने का लंबा समय, वह भी समुद्री थपेड़ों के बीच रहकर गुजारना, अपने आप में बहुत बड़ी बहादुरी है। एकदम निर्जन समुद्र में, जहां दूर-दूर तक कोई इंसान तो छोड़िए जानवर तक देखने को नहीं मिलता, ऐसी स्थिति में दोनों 8 महीने रही।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं के हर अंग में महिलाओं ने भागीदारी की। बहुत कम लोगों को इस बात की जानकारी है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायुसेना ने पाकिस्तान और पीओके में जो आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है, उसे अंजाम देने में महिला पायलटों और अन्य महिला सैनिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। दोनों एनसीसी कैडेट रही हैं। इसके अलावा नौसेना में शामिल होने से पहले कमांडर दिलना राष्ट्रीय स्तर की शूटर और अंडर-19 राष्ट्रीय स्तर की क्रिकेटर भी रही हैं। कमांडर रूपा भी नौसेना आयुध विशेषज्ञ रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

कुएं-बावड़ी के जीर्णोद्धार के लिए किया श्रमदान

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्राकृतिक जल संरचनाओं को पुनर्जीवित करने का काम किया जा रहा है ।इसके तहत के तहत शनिवार को म्यूज फाउंडेशन एवं डिवाइन संस्था द्वारा शहर की विभिन्न बावड़ी, कुआं और अन्य जल संरचना के संरक्षण की स्वच्छता, और पुनरजीवन हेतु, अपना शहर अपनी धरोहर क्षेत्र में स्थित बावड़ी अमेठी यूनिवर्सिटी के पास, महाराजपुरा, नवग्रह मंदिर, बहोड़ापुर, गजराराजा स्कूल, महाराज बाड़ा में श्रमदान कर स्वच्छता का संकल्प लिया गया। टीम ने न केवल सार्वजनिक स्थलों की धुलाई एवं सफाई की, अपितु वहां उपस्थित जनमानस एवं दुकानदारों को पॉलिथिन का उपयोग न करने अथवा प्लास्टिक प्रदूषण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया।

वेदांत अस्पताल ने शुरू की सेहत मंगलवार योजना

ग्वालियर। रायरू स्थित वेदांत अस्पताल द्वारा आमजन के लिए सेहत मंगलवार और सुरक्षित मातृत्व संरक्षण योजना की शुरुआत की गई है। उक्त योजना के तहत सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार मरीजों को अल्ट्रासाउंड मात्र 500 रुपए में किया जाता है, वहीं एक्स-रे और पैथोलॉजी जांच पर 50 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। फार्मेसी में दवाओं पर भी 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। साथ ही वेदांत हॉस्पिटल में प्रत्येक दिन ओपीडी परामर्श पूरी तरह से नि:शुल्क रहेगा, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। गर्भवती महिलाओं के लिए अस्पताल में आधुनिक सुविधाओं से युक्त लेबर रूम, अनुभवी स्टाफ और सुरक्षित प्रसव की बेहतरीन व्यवस्था उपलब्ध है। नॉर्मल डिलीवरी मात्र 12,999 में और ऑपरेशन से डिलीवरी सिर्फ 19,999 में करवाई जा सकती है।

जिला शिक्षा अधिकारी और संयुक्त संचालक का स्थानातंरण

ग्वालियर। स्कूल शिक्षा विभाग ने शनिवार को जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार व संयुक्त संचालक दीपक पाण्डे का स्थानतंरण कर दिया। मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग के उपसचिव कमल सोलंकी की ओर से जारी आदेश में लोक शिक्षण संयुक्त संचालक दीपक पाण्डे को संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल भेजा गया है। जबकि जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार को प्रभारी संयुक्त संचालक विधि प्रकोष्ठ जबलपुर भेजा गया है। हालांकि इनकी जगह अभी किसी की नियुक्ति नहीं की गई है, लेकिन जल्द ही नियुक्ति की संभावना जताई जा रही है।

गोंडवाना एक्सप्रेस 10 से दतिया में रुकेगी

ग्वालियर। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने (रायगढ़) गोंडवाना एक्सप्रेस को दतिया में ठहराव की अनुमति दी है। यह सुविधा 10 जून से प्रभावी होगा। गाड़ी संख्या 12410 हजरत निजामुद्दीन – रायगढ़ गोंडवाना एक्सप्रेस दतिया स्टेशन पर रात्रि 8.20 बजे पहुंचकर 8.22 पर रवाना होगी। गाड़ी संख्या 12409 रायगढ़ – हजरत निजामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस 12 जून से रात्रि 12.1 बजे दतिया पहुंचेगी व 12.3 पर रवाना होगी।

कार्रवाई के रडार पर नहीं आ पा रहीं अवैध कॉलोनियां

नगर संवाददाता ▶ ग्वालियर

जिले में नगर निगम सीमा क्षेत्र में धड़ल्ले से काटी जा रही अवैध कॉलोनियों पर फिलहाल कोई सख्ती नहीं की जा रही है। हर बैठकों में राणनीति बनाई जाती है, लेकिन उस पर अमल नहीं किया गया है। प्रशासन ने जो सूची बनाई थी वह फिलहाल कागजों में ही नजर आ रही है। धरातल पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कलेक्टर की ओर से तत्कालीन निगमायुक्त को 1752 अवैध कॉलोनी की सूची सौंपी गई थी। इस सूची को 10 दिन के अंदर भवन अधिकारी, जेडओ और पटवारी को प्रतिदिन फील्ड में जाकर विधानसभा वाइज, जोन व वार्ड वाइज तैयार करना था। लेकिन तीन महीने बीत जाने के बाद भी अवैध कॉलोनियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। बता दें कि वर्ष 2019 में भी ऐसा ही सर्वे हुआ था, तब अवैध कॉलोनियों की संख्या 696 थी, बाद में सरकार के कहने पर इनमें से लगभग 200 को वैध कर दिया गया। यहां भी अभी विकास को लेकर खास पहल नहीं हुई है। अब संख्या लगभग डबल हो चुकी है। सर्वाधिक 609 अवैध कॉलोनी ग्वालियर सिटी अनुभाग में, 400 मुरार, 142 लश्कर व 63 अवैध कॉलोनियां झांसी रोड क्षेत्र में चिन्हित हो चुकी हैं। इसके अलावा घाटीगांव, डबरा, भितरवार में भी सर्वे हुआ है पर यहां संख्या कम है। मुरार ग्रामीण के एसडीएम ने अपने क्षेत्र में अवैध कॉलोनियां न होने की पुष्टि की है।

1752 अवैध कॉलोनी शहर में बन चुकी है, प्रशासन कर चुका कई बैठक

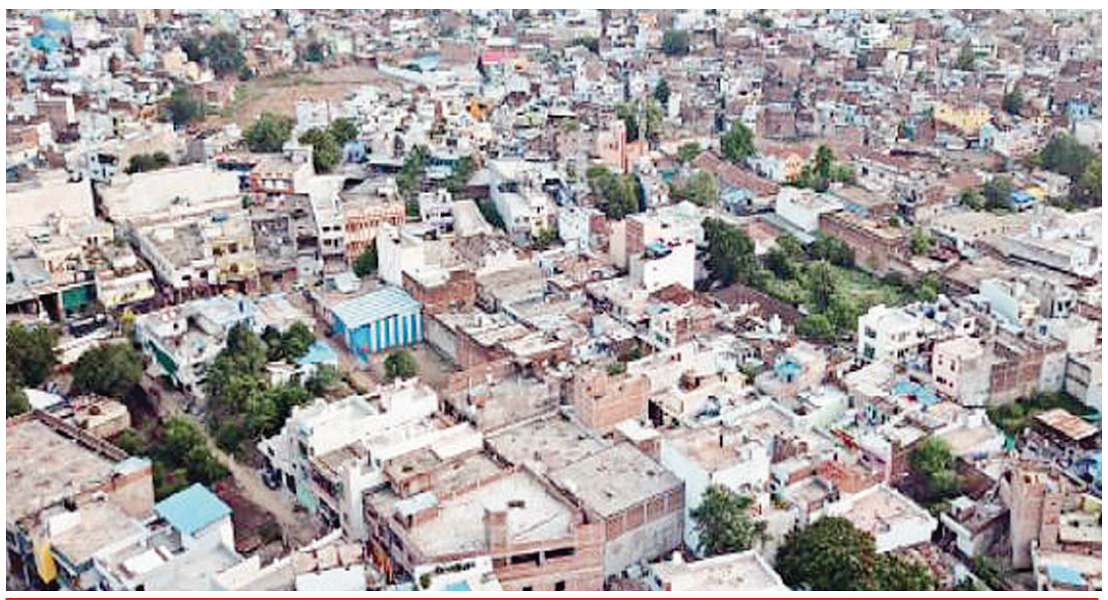

वैध कॉलोनी के लिए 7 चरण की प्रक्रिया पूरी करना है आवश्यक

1. जिस भूमि पर कॉलोनी विकसित की जा रही है, उसके स्वामित्व संबंधी दस्तावेज।
2. टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से कॉलोनी का लेआउट पास कराना अनिवार्य है।
3. एसडीएम द्वारा जमीन का डायवर्सन कराना (कृषि भूमि को आवासीय) में विकसित करने की मंजूरी लेना।
4. निगम से कॉलोनी विकसित करने की मंजूरी लेना।
5. कॉलोनी विकसित करने वाले पर कॉलोनाइजर से लाइसेंस की अनिवार्यता।
6. निगम में भूमि का नामांकन और वर्तमान तक का संपत्ति कर जमा होना।
7. कॉलोनी में प्रस्तावित विकास कार्य का एस्टीमेट तैयार कर निगम से पास कराना।

झांसा देकर अवैध भूखंड बेचते हैं

शहर से सटे इलाकों में तेजी से बन रहीं अवैध कॉलोनियों के संचालक लोगों को वैध कॉलोनी का झांसा देकर अवैध प्लॉट बेच रहे हैं। इसके लिए उन्होंने नया तरीका ईजाद किया है। वे खेतों में कॉलोनी काटने से पहले नजूल से जमीन का डायवर्सन कराते हैं। इसके आधार पर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से कॉलोनी का लेआउट पास करा लेते हैं। ये दोनों कागज ग्राहकों को दिखाकर कॉलोनी को वैध बताकर मनमाने पैसे वसूल कर लेते हैं। इसका खामियाजा लोगों को तब भुगतना पड़ता है, जब ये कॉलोनी शासन की निगाह में आती है और उसे तोड़ा जाता है।

अधिकांश कॉलोनाइजर नहीं लेते मंजूरी

निगम से मंजूरी लेने में कॉलोनाइजर को शुल्क के रूप में लगभग दो लाख रुपए बीघा का खर्च आता है। साथ ही वैध दस्तावेज के साथ कॉलोनी में सारी सुविधाएं भी मानक के अनुसार देना पड़ती हैं। कॉलोनी के विकास खर्च की 15 से 20 प्रतिशत राशि का आंकलन कर निगम उतनी कीमत के प्लॉट अपने पास गिरबी रखता है ताकि भविष्य में कभी भी कॉलोनाइजर बिना विकास कराए भाग जाता है तब नगर निगम गिरबी रखे इन प्लॉट की बिक्री कर उस राशि से कॉलोनी में विकास कार्य करा सके। इसके साथ ही कुल एस्टीमेट का दो फीसदी सुपरविजन चार्ज के रूप में भी जमा करना पड़ता है।

यहां हैं अवैध कॉलोनियां

मुरार क्षेत्र में प्रशासन ने उदयपुर, सुनारपुरा खालसा, सिहारपुर, खुरैरी,राई, बेहटा, विजयगढ़, गोवई, रसीदपुर, चंद्रपुरा, गोवई, बिल्हेटी, खेरियामिर्धा, मुरार, लक्ष्णणगढ़, खेरिया केशर, बरेठा, मैथाना,भटपुरा ब्राह्मण,जहगीरपुर, जिरेना, बड़ागांव, महाराजपुरा गिर्द, गिरगांव, खेरियामोदी, सुनारपुरा खालसा, जड़ेरूआ सहित 605 अवैध कॉलोनी चिह्नित की हैं।

▶▶ लश्कर क्षेत्र में जिला प्रशासन की ओर से पिपरोली,सालूपुरा, नीमचंदोहा,वीरपुर, चक गिरवाई, बरौआ पिछोर, सिकरौदा बडोरी, नौगांव, छोड़ा, अजयपुर, चंदौहाखुर्द, गिरवाई सहित 187 अवैध कॉलोनी चिह्नित की हैं।

▶▶ झांसी रोड क्षेत्र में जिला प्रशासन की ओर से नीमचंदोहा, वीरपुर, चकगिरवाई-2, बरौआ पिछोर, सिकरोदा बडोरी, अजयपुर, पिपरौली, मोहनपुर, सिरोल,मेहरा, जारगा सहित 186 अवैध कॉलोनी चिह्नित की गई हैं।

▶▶ ग्वालियर विधानसभा बापू नगर, देव रेजीडेंसी पुरानी छावनी, विंध्या रेजीडेंसी, हरीकृष्णा सिटी, सिक्का एरोसिटी, शिवनिवासा ग्रीन सिटी,साई लोचनदास, साईं आनंदपुरम फेस-2, गजानन डवलपर्स, केतकी कुंज विहार, द्वारिका धाम फेज-1, सिद्धि विनायक नगर, वैभव ग्रीन सिटी, साईं श्रद्दा नगर, बाबा लोचनदास, शिवशक्ति इंकलेब, गोपाल एनक्लेव मानपुर, राय कॉलोनी, तिवारी फार्म पुरानी छावनी, सर्वोदय स्टेट, खेरियाभान, जमाहार, ज्ञानी स्टेट ग्राम बरौआ रायरू फार्म, गिर्राज धाम, एबी रोड, दिलावर का पुरा, हरिकृष्णा सिटी,एचके सिटी फेज-2, ग्राम सुमेरा,साईं सिटी, शनिदेव नगर, खाटूश्याम कॉलोनी, रुद्रपूरा, गंगापुरा, टेहलरी, बालाजी धाम एमवी ग्रीन हिल्स, सहित 774 अवैध कॉलोनी चिन्हित की हैं।

अवैध में 80 और वैध कॉलोनी में 50 फीसदी जमीन ही बिकेगी

वैध कॉलोनी में कॉलोनाइर को निगम द्वारा तय किए गए मानकों के अनुसार विकास कराना होता है। इसमें चौड़ी सड़कें, खुले हुए पार्क, सीवर, नाली, पानी और विद्युत व्यवस्था आदि के कारण कुल क्षेत्रफल का 50 फीसदी हिस्सा विकास कार्यों के लिए छोड़ना पड़ता है। शेष 50 फीसदी जमीन पर प्लॉट काटकर बेचे जा सकत हैं जबकि अवैध कॉलोनी में संकरी रोड डालकर प्लॉट बेचे जाते हैं। यहां न तो पार्क की व्यवस्था होती है और न ही खुलापन, इस कारण कॉलोनाइजर कुल क्षेत्रफल के 80 फीसदी हिस्से पर प्लॉट काटकर बेच लेता है। इससे उसका मुनाफा कई गुना बढ़ जाता है।

इनका कहना है

अवैध कॉलोनियों के खिलाफ जल्द ही अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

रुचिका चौहान,
जिलाधीश

अधिष्ठाता ने जारी किए आदेश, नेत्रहीनों को मिलेगी रोशनी

एक दशक से बंद 'आई बैंक' फिर होगा शुरू

नगर संवाददाता ▶ ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध अंचल के सबसे बड़े जयारोग्य चिकित्सालय में एक दशक बाद फिर से नेत्र दान के लिए आई बैंक शुरू होगा। दस साल पहले दान की गईं कुछ आंखे कचरे के ढेर में मिलने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद आई बैंक को बंद कर दिया गया था। तब से अंचल में नेत्रदान का काम बंद पड़ा था जो अब एक बार फिर शुरू होने जा रहा है। इसको लेकर महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ ने विभागाध्यक्ष को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। वहीं आई बैंक शुरू होने से नेत्रहीनों के जीवन को रोशनी भी मिलेगी।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2015 में जयारोग्य के नेत्र रोग विभाग में दान में मिली आंखों को कथित रूप से फेंके जाने का मामला सामने आया था। इसके बाद से आई बैंक को शुरू नहीं किया जा सका। जिसका प्रमुख कारण टेक्नीशियन और परामर्शदाता की कमी थी। इसके अलावा नेत्र रोग विभाग भी आई बैंक दोबारा शुरू करने में रुचि नहीं दिखा रहा था। लेकिन अधिष्ठात डॉ. धाकड़ की पहल पर आई बैंक का पंजीयन रिन्यू कराया गया। साथ ही आई बैंक को पुनः शुरु कराने में जो परेशानियां आ रही थीं, वो सभी तकनीकी और प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अब एक बार फिर यह सुविधा मरीजों के लिए उपलब्ध होगी। आई बैंक शुरू हो जाने से ग्वालियर-चंबल अंचल के उन मरीजों को लाभ होगा जो निजी अस्पतालों में आंखों के लिए मोटी रकम खर्च नहीं कर पाते हैं। साथ ही ग्वालियर अंचल के नेत्र रोगियों को नेत्रदान जैसी सुविधा के लिए दूसरे शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

यह था पूरा मामला

वर्ष 2015 में जयारोग्य के आई बैंक में दान में मिली आंखों को कथित रूप से फेंके जाने का मामला सामने आया था। उक्त मामले में विभाग के दो चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। मामला न्यायालय से लेकर पुलिस व सीआईडी तक पहुंचा था। जब इस मामले ने तूल पकड़ा तो इस बीच आई बैंक का पंजीयन रिन्यू कराने पर किसी ने ध्यान नहीं दिया और नेत्रदान लेना बंद हो गया था। जिसके बाद किसी ने भी आई बैंक चालू कराने में रुचि नहीं दिखाई थी।

आई बैंक में संपर्क करने पर घर पहुंचेगी टीम

नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार छावनिया ने बताया कि नेत्रदान की इच्छा रखने वाले नागरिक सीधे अस्पताल की आई बैंक से संपर्क कर सकते हैं। संपर्क करने पर आई बैंक की एक विशेषज्ञ टीम उनके बताए पते पर पहुंचेगी और पूरी प्रक्रिया को चिकित्सा मानकों के अनुसार सम्पन्न करेगी। नेत्रदान के लिए मृत्यु उपरांत अधिकतम छह घंटे के अंदर प्रक्रिया की जाती है, इसलिए समयबद्ध कार्यवाही अत्यंत आवश्यक होती है। टीम में प्रशिक्षित नेत्र चिकित्सक, तकनीशियन और आवश्यक उपकरण मौजूद होंगे। आंखें निकालने के बाद उन्हें संरक्षित कर आई बैंक में सुरक्षित रखा जाएगा और आवश्यकता अनुसार कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए मरीजों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

डॉ. विभा पाल होंगी नोडल अधिकारी

अधिष्ठाता द्वारा नेत्र दान के लिए रिट्राईबल टीम का गठन करने का आदेश दिया है। साथ ही आई बैंक का नोडल अधिकारी नेत्र रोग विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. विभा पाल को बनाया है।

इनका कहना है

आई बैंक शुरू किए जाने के निर्देश विभागाध्यक्ष को दिए गए हैं। साथ ही नोडल अधिकारी भी नियुक्त कर दिया गया है।

डॉ. आरकेएस धाकड़,
अधिष्ठाता, गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय

ऑपरेटर की गलती से डेंगू की जगह लिखा कोरोना संक्रमित

नगर संवाददाता ▶ ग्वालियर

हजार बिस्तर के अस्पताल में भर्ती डेंगू संक्रमित शिवपुरी के मरीज को डेंगू बताए जाने के मामले में अब अस्पताल प्रबंधन ऑपरेटर की गलती बता रहा है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि ऑपरेटर की गलती से डेंगू की जगह कोरोना संक्रमित चढ़ा दिया गया था, जिसको लेकर अब कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार शिवपुरी के एक मरीज को हजार बिस्तर के मेडिसिन विभाग में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान मरीज की मृत्यु हो गई थी, मरीज को डेंगू बताया जा रहा है। जबकि कोविड पोर्टल पर मरीज को कोरोना संक्रमण बताया गया था। ऐसे में अब जिम्मेदारों का कहना है कि मरीज डेंगू संक्रमित था और ऑपरेटर की गलती से कोरोना संक्रमित में उसका नाम डाल दिया गया। जिसको लेकर अब सवाल यह खड़े हो रहे हैं कि जब मरीज डेंगू संक्रमित था तो मेडिसिन विभाग में भी ड्यूटी देने वाले तीन जूनियर चिकित्सकों को कोरोना संक्रमण कैसे हुआ। उधर चिकित्सकों के संक्रमित आने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने मेडिसिन विभाग का आईसीयू व चिकित्सक ड्यूटी रूम को फ्यूमिगेट कराया, जिससे अन्य चिकित्सक संक्रमण की चपेट में न आ सकें।

कोल्ड ओपीडी में पहुंचे 15 संदिग्ध

शनिवार को दो घंटे की कोल्ड ओपीडी में कोरोना संदिग्ध 15 मरीज उपचार के लिए पहुंचे। हालांकि किसी भी मरीज की जांच कोरोना के लिए नहीं भेजी गई है।

दस मरीजों के नमूने आए निगेटिव

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के वायरोलॉजी लैब में शुक्रवार को दस कोरोना संदिग्ध मरीजों की जांच की गई। लेकिन किसी को भी संक्रमण नहीं निकला है। जिसको लेकर स्वास्थ्य विभाग ने भी राहत की सांस ली है।

दो घंटे की ओपीडी में श्वान के काटने के पहुंचे 80 मरीज

ग्वालियर। शासकीय अवकाश होने के कारण जयारोग्य चिकित्सालय समूह में सुबह 9 से 10 बजे तक दो घंटे की ओपीडी संचालित की गई। ओपीडी में जयारोग्य के पीएसएम विभाग में श्वान के काटने के 50 मरीज आए। जिला अस्पताल मुरार में श्वान के काठटे के 30 मरीज दिखाने आए। इन मरीजों को एंटी रैबीज के इंजेक्शन लगाए गए। इनमें से किसी मरीज को पहला तो किसी को दूसरा या तीसरा एंटी रैबीज का इंजेक्शन लगाया गया। उधर सिविल अस्पताल हजीरा में दो घंटे की ओपीडी रविवार को आयोजित की जाएगी।

'रिफॉर्म कार्य का प्रस्ताव शासन को भेजें'

नगर संवाददाता ▶ ग्वालियर

नगर निगम द्वारा किए गए वाटर सीवरेज-स्ट्रांम वॉटर ड्रेनिंग के जीआईएस मेपिंग के कार्य का प्रस्ताव शासन को भेजें। जिससे 3 करोड़ रुपए का इंसेंटिव मिल सके। साथ ही ऑनलाइन मैपिंग डेटाबेस ऑफ म्युनिसिपल ऐसेट एंड डिजिटल इन्वेंटरी के बिंदु पर चर्चा करते हुए निगमायुक्त संघप्रिय ने राजस्व विभाग को इसका प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए।

शनिवार को बाल भवन में आयोजित बैठक में निगमायुक्त ने स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंट टू स्टेट फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट 2025-26 के अंतर्गत अर्बन प्लानिंग रिफॉर्म को लेकर सरकार द्वारा घोषित किए गए इंसेंटिव पर चर्चा की। साथ ही कहा कि डिजिटल ट्विन मॉडलिंग के कार्य हेतु पीआईयू विभाग के अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने की जिम्मेदारी दी। साथ ही डाइवर्सि रेवेन्यू सोर्सेस के बिंदु पर चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि प्रॉपर्टी टैक्स के अतिरिक्त वर्तमान वित्तीय वर्ष में अन्य सोर्स से राजस्व में 10प्रतिशत बढ़ोतरी की जाना है। जिस पर 10 करोड रुपए इंसेंटिव मिलेगा। इसको लेकर भी प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश सिटी प्लानर व राजस्व विभाग को दिए गए। साथ ही रीवाइटलिंग सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट हिस्टोरिकल प्लेस वाले बिंदु में शहर के किसी एक स्थान को रीडेवलप करना है जिसके लिए शासन से इंसेंटिव मिलेगा, इस हेतु नोडल अधिकारी पीआईयू को प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजने के निर्देश दिए। वहीं थीम बेस्ड ग्रीन फील्ड सिटी के बिंदु पर साडा क्षेत्र की प्लानिंग करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके अलावा बैठक में नेवर हुड इंप्रूवमेंट प्लान, ट्रांसिट ओरिएंट डेवलपमेंट प्लान, क्रिएशन ऑफ स्पोंज सिटी को लेकर चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को विभिन्न बिंदुओं पर प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए गए।

लापरवाही | अवैध उत्खनन पर नहीं लग रही लगाम, प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान

मौत बनकर दौड़ रहीं रेत से भरी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्राली

नगर संवाददाता ▶ ग्वालियर

जिले में अवैध रेत के खनन व परिवाहन के खिलाफ खजिन विभाग द्वारा भले ही कार्रवाई किए जाने के तमाम दावे किए जाते हैं। लेकिन शहर में अवैध रेत का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। रात -दिन खुलेआम रेत से भरी ओवर लोड ट्रैक्टर-ट्राली मौत बनकर दौड़ रही हैं। उसके बाद भी न तो प्रशासन की नजर इन पर जाती है और न ही पुलिस की।

जानकारी के अनुसार भितरवार विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम लुहारी और पवाया के पास से निकली सिंध नदी में पूर्व की भांति रेत माफियाओं द्वारा पनडुब्बी डालकर जेसीबी आदि मशीनों के सहारे अवैध रूप से काफी रेत निकाली जा रही है।

इन घाटों से माफिया हर रोज चार सैकड़ा से अधिक डंपर और एक हजार से अधिक ट्रैक्टर ट्रालियों में रेत भरकर ले जा रहे हैं। इतना ही नहीं शहर में दिन-रात रेत से भरी ओवर लोड ट्रैक्टर ट्राली प्रशासन की नाक तले बेधड़क दौड रही हैं और लोगों को जिंदगी को जोखिम में डाल रही हैं। ओवरलोड होने के कारण कई बार इनके पहिए हवा में उठ जाते हैं। यह ट्रैक्टर-ट्राली पुलिस और खनिज विभाग की निगाहों से बचने के लिए गलियों के अंदर दौड़ लगाती हैं। इनसे न केवल सड़कें खराब हो रहीं हैं बल्कि यातायात भी बाधित हो रहा है। लेकिन जिम्मेदारों द्वारा ओवर लोड रेत से भरी ट्रैक्टर -ट्रालियों और उनके चालकों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। वहीं प्रशासन के रोक के बाद शहर के मुख्य मार्गो पर सुबह से ही रेत से भरी ट्रैक्टर ट्राली खड़ी रहती हैं। इसमें सिरोल, पिन्टो पार्क, महाराजपुरा, यादव धर्मकांटा सहित अन्य क्षेत्र शामिल हैं।

ट्रैक्टर मलिक की होती है सेटिंग

नाम न छापने की शर्त पर एक ट्रैक्टर चालक ने बताया कि उसकी ड्यूटी ट्रेक्टर में रेत भरकर ले जाने की है, बाकी की सेटिंग मालिक करता है। इसलिए वे बेपरवाह होकर ओवर लोड ट्रैक्टर चलाते हैं।

रात 8 बजे के बाद निकलते हैं

ट्रैक्टर वालों का कहना है कि हम लोगों को रात 8 बजे के बाद निकलने के लिए कहा जाता है। इसलिए हम रात का परिवहन करते हैं। क्योंकि रात के समय अधिकारी, पुलिस प्रशासन की नजरों में नहीं आ पाते ।

बरौनी मेल के शौचालय में नहीं आया पानी, यात्री परेशान

नगर संवाददाता ▶ ग्वालियर

ग्वालियर से चलकर बरौनी की ओर जा रही बरौनी मेल के एसी कोच के शौचालय में पानी नहीं आने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यात्रियों ने इसकी शिकायत रेलवे अधिकारियों से भी की, लेकिन कहीं भी सुनवाई नहीं हुई। जबकि बरौनी मेल ग्वालियर से बनकर चलती है, लेकिन जिम्मेदारों ने गाड़ी को चेक करना उचित नहीं समझा। जानकारी के अनुसार बरौनी मेल शनिवार को अपने निर्धारित समय पर ग्वालियर से झांसी के लिए रवाना हुई तभी कोच बी-3 में एक तरफ के शौचालय में पानी नहीं आने की शिकायत ट्रेन में मौजूद कर्मचारियों से की। लेकिन सुनवाई नहीं हुई। कोच में मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि कोच के शौचालय में तकनीकी खराबी आई है जिसे बरौनी में ही ठीक किया जाएगा।

सिटी स्पोर्ट्स

तीसरी राष्ट्रीय सी कायाकिंग प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ को मिले दो गोल्ड मेडल

रायपुर। तीसरी राष्ट्रीय सी कायाकिंग और स्टैंड-अप पैडलिंग चैंपियनशिप-2025 का आयोजन 5 से 8 जून तक मछलीपट्टनम, आंध्र प्रदेश में किया जा रहा है जिसमे छत्तीसगढ़ के सौरभ साहू को सी कायाक के -1 (के-1) केटेगरी के 500 मीटर और 2 किलोमीटर में दो गोल्ड मेडल प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ टीम के साथ गए प्रशांत सिंह रघुवंशी सह सचिव भारतीय कायाकिंग केनोईंग एसोसिएशन, व सह सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग केनोईंग एसोसिएशन ने बताया कि यह छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गौरव का दिन रहा, जब प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ को दो गोल्ड मेडल प्राप्त हुए है। उल्लेखनीय है कि सौरभ साहू ने इससे पहले 24 से 28 अप्रैल तक भोपाल में हुई 35वी राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट जूनियर व सब जूनियर चैंपियनशिप के-4 के 200 मीटर इवेंट में कांस्य पदक हासिल किया था। आंध्रप्रदेश में प्रतियोगिता अभी चल रही है छत्तीसगढ़ को और पदक मिलने की उम्मीद है। छत्तीसगढ़ कायाकिंग केनोईंग को पहली बार इस इवेंट में दो गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ है। सौरभ साहू को उनकी इस उपलब्धि पर बलदेव सिंह भाटिया, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग केनोईंग एसोसिएशन, अभिजीत मिश्रा, सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग केनोईंग एसोसिएशन, प्रशांत सिंह रघुवंशी सह सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग केनोईंग एसोसिएशन, अमरजीत छाबड़ा सह सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग केनोईंग एसोसिएशन, दिव्यम अग्रवाल, रविंद्र सिंह और डॉ नवीन बाफना सहित संघ के पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

क्रिकेट में वेस्ट जोन की दो विकेट से जीत

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सीनियर वूमेंस/अंडर 23, टी 20 चैलेंजर ट्रॉफी के अंतर्गत रोमांचक मुकाबले जारी है। शनिवार को बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-1 में टीम वेस्ट जोन ने साउथ जोन के विरुद्ध दो विकेट से जीत हासिल की। बल्लेबाजी में साउथ जोन ने 7 विकेट पर 118 रन बनाए। मिताली शर्मा ने 42 रन, संजना पारधी ने 22 रन और अंजली शर्मा ने नॉट आउट 20 रन बनाए। गेंदबाजी में वेस्ट जोन की संजीता पटेल ने तीन विकेट, कृति गुप्ता ने 2 विकेट, रिमी गिडियन एवं डाली ने एक -एक विकेट लिए। बल्लेबाजी में वेस्ट जोन ने 8 विकेट पर 120 रन बनाए। जिसमें कृति गुप्ता ने नॉट आउट 31 रन, निधि सूर्यवंशी ने 30 रन और संजीता पटेल ने 16 रन बनाए। गेंदबाजी में साउथ जोन की आरती यादव ने 3 विकेट, पल्लवी वर्मा एवं सृष्टि शर्मा ने एक-एक विकेट लिए। तीन खिलाड़ी रन आउट हुए।

सीसीपीएल में राजनांदगांव पैंथर्स की जीत, अजय प्लेयर ऑफ द मैच

रायपुर। छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) के दूसरे दिन का पहला मैच राजनांदगांव पैथर्स ने जीत लिया। अजय मंडल प्लेयर ऑफ द मैच बने। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) के द्वितीय संस्करण का आयोजन 06 जून से 15 जून तक शहीद वीर नारायण सिंह अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नवा रायपुर में किया जा रहा है। शनिवार का पहला मैच राजनांदगांव पैंथर्स तथा रायगढ लायंस के मध्य खेला गया। राजनांदगांव पैंथर्स ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय किया। रायगढ लांयस ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 145 रन बनाये। रायगढ लांयस की ओर से किवनूर सिंह छाबडा ने 33 गेंदों में 36 रनों की पारी खेली। उनके अतिरिक्त ऋषभ तिवारी ने 24 रन तथा शुभम अग्रवाल ने 18 रनों का योगदान दिया। राजनांदगांव पैंथर्स की ओर से कप्तान अजय मंडल तथा देव आदित्य सिंह ने 3-3 विकेट प्राप्त किये। 146 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजनांदगांव पैंथर्स की शुरुवात काफी खराब रहीं, पहले ही ओवर में उनके 2 विकेटों को पतन हो गया। परंतु उसके बाद कप्तान अजय मंडल की मैच जिताउ पारी की बदौलत राजनांदगांव ने 16.5 ओवरों में 3 विकेट खोकर 146 रनों का लक्ष्य प्राप्त कर लिया। राजनांदगांव की ओर से कप्तान अजय मंडल ने शानदार 73 रन नाबाद बनाये। उनके अतिरिक्त पवन परनाते ने भी नाबाद 40 रनों का योगदान दिया। रायगढ लांयस की ओर से प्रवीण कुमार यादव ने 2 विकेट प्राप्त किये। राजनांदगांव पैंथर्स ने मैच 7 विकेट से जीत लिया।

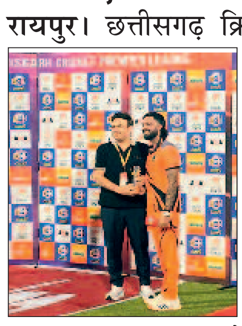

इस मौसम में क्या खाएं और क्या नहीं, इसे लेकर सचेत रहना जरूरी

मानसून दस्तक दे रहा, खान-पान को लेकर बरतें सावधानी वरना पड़ सकते हैं मुश्किल में

देश के ज्यादातर हिस्सों में मानसून बस आने को है। ये मौसम भीषण गर्मी से राहत दिलाने वाला माना जाता है, पर मानसून अपने साथ कई प्रकार की बीमारियों को लेकर भी आता है। हालांकि मानसून अभी आया नहीं है लेकिन सेहत और खान-पान को लेकर आपकी तैयारी अभी से होनी चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मानसून के दौरान सेहत के लेकर विशेष सावधानी बरतनी जरूरी है। क्या खाएं-क्या नहीं इस बात को लेकर अलर्ट रहने की जरूरत है। खान-पान में बरती गई असावधानी फूड पॉइजनिंग जैसी पाचन से संबंधित दिक्कतों का कारण बन सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, मानसून के दिनों में डायरिया, कब्ज और अपच जैसी पाचन स्वास्थ्य से संबंधित जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। फूड पॉइजनिंग से बचाव को लेकर उपाय करते रहना जरूरी है। आइए जानते हैं, मानसून में पाचन संबंधित समस्याएं क्यों बढ़ जाती हैं और इसस बचाव के लिए आहार संबंधित किन बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

मानसून में फूड पॉइजनिंग का खतरा

फूड पॉइजनिंग बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी से दूषित खाद्य या पेय पदार्थों के कारण होने वाली समस्या है। आहार विशेषज्ञ गरिमा चावला बताती हैं, गर्मियों से लेकर मानसून तक का समय कई प्रकार के संक्रामक रोगों का जोखिम बढ़ाने वाला माना जाता है। इस दौरान खाद्य जनित संक्रमण का जोखिम सबसे अधिक देखा जाता है जिसके कारण फूड पॉइजनिंग हो सकती है। मानसून के दौरान खुले में या लंबे समय तक रखे गए भोजन में हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस पनपने लगते हैं जिससे पाचन स्वास्थ्य से संबंधित दिक्कतों का खतरा हो सकता है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

अमर उजाला से बातचीत में दिल्ली स्थित एक अस्पताल में सीनियर कंसल्टेंट डॉ अमित सिंह बताते हैं, बरसात के दिनों में सब्जियों-फलों को अच्छी तरह से धोकर और साफ करके ही खाना चाहिए। मानसून में बाहर खाने-पीने से बचना चाहिए। स्ट्रीट फूड, ज्यादा तेल वाली चीजें पाचन स्वास्थ्य के लिए समस्याएं बढ़ाने वाली हो सकती हैं। आइए जानते हैं कि मानसून के दिनों में क्या खाना चाहिए और क्या नहीं?

मानसून में क्या खाना चाहिए?

मानसून के दौरान कुछ चीजों को आहार में शामिल करना लाभकारी हो सकता है। आहार में प्रोबायोटिक्स शामिल करें: दही, छाछ जैसी चीजों का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। प्रोबायोटिक्स वाली चीजें गुड बैक्टीरिया को बढ़ावा देती हैं जिससे हमारा पाचन तंत्र ठीक रहता है। हाइड्रेशन जरूरी: पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं और पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है। पाचन संबंधित समस्याओं और विषाक्तता से बचे रहने के लिए उबाल कर ठंडा करके पानी पिएं।

क्या नहीं खाना चाहिए?

मानसून के दौरान होने वाली समस्याओं से बचे रहने के लिए कच्ची सब्जियां खाने से बचें। कच्ची सब्जियों के बजाय उबली हुई या अच्छे से पकाकर ही सब्जियां खाएं। पत्तेदार साग खाने से भी इस मौसम में बचा जाना चाहिए। पत्तियों के बीच नमी के कारण इनमें विषाणुओं के पनपने का खतरा रहता है। साग खाने से बचना चाहिए।

बच्चे को सिखाना है साफ-सुथरा रहना, तो अपनाएं आसान टिप्स

माता-पिता की जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों में साफ-सफाई की अच्छी आदतें डालें, क्योंकि ये उनकी सेहत और लाइफस्टाइल, दोनों से जुड़ी हैं। बच्चे कुछ बड़े क्या होते हैं कि खुद से नहाने की जिद करने लगते हैं। आप जब उन्हें नहलाती हैं तो उनकी साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखती हैं। लेकिन वे खुद से इस उम्र में सही तरह से नहीं नहा सकते, जिससे उन्हें कई तरह की बीमारियों का खतरा हो सकता है। इसी तरह बच्चों की इम्यूनिटी हमारे मुकाबले काफी कमजोर होती है और ऐसे में सेहत के प्रति बरती गई थोड़ी-सी लापरवाही भी उन्हें बीमार कर सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप बच्चों की हाइजीन का खास ख्याल रखें और उन्हें छोटी उम्र से ही बॉडी हाइजीन हैबिट्स सिखाएं।

हाथों की सफाई

सेहतमंद रहने के लिए हाथों की सफाई बहुत जरूरी है। हमारे हाथों पर कई तरह के बैक्टीरिया और वायरस होते हैं। ये बैक्टीरिया और वायरस हमारे शरीर के भीतर सबसे आसानी से हाथों से ही पहुंचते हैं। इसलिए बच्चों को कम उम्र से ही अपने हाथों को साफ रखना जरूर सिखाएं। उनमें आदत डालें कि वे खाना खाने से पहले और बाद में हाथों को अच्छी तरह साफ करें। वे खेलने, जानवरों को छूने, रोगियों से मिलने और बाहर से घर आने के बाद अच्छी तरह साबुन से अपने हाथों को साफ करें।

दांतों पर ध्यान

बच्चों के दांत आने के बाद आप उन्हें सही तरीके से उनकी सफाई करना सिखाएं। इसके अलावा कुछ भी खाने के बाद कुल्ला करना, सोने से पहले ब्रश करना और कोई भी ऐसी-वैसी चीज मुंह में लेने से मना करें। दांतों को साफ रखने की आदत उन्हें कैविटी से बचाएगी। साथ ही बच्चों में ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की आदत डालें। इससे उनके मुंह से बदबू नहीं आएगी और वे दिन भर हाइड्रेट भी रहेंगे।

वॉशरूम में

टॉयलेट भी ऐसी जगहों में से एक है, जहां से सबसे ज्यादा बीमारियां फैलती हैं। इसलिए आप बच्चों को छोटी उम्र से ही साफ तरीके से टॉयलेट यूज करना सिखाएं, ताकि उन्हें कोई बीमारी न लगे। आप उन्हें बताएं कि टॉयलेट को बिना गंदा किए इस्तेमाल करें, साथ ही टॉयलेट जाने के बाद खुद को कैसे साफ करें और हाथों को किस प्रकार अच्छी तरह से धोएं।

काटती रहें नाखून

एक उम्र के बाद बच्चे आपसे नहाने में शर्माने लगते हैं। इसलिए उनमें रोज नहाने की आदत डालें और इस दौरान उन्हें शरीर की साफ-सफाई, जैसे कि हाथ, पैर, बाल, और अन्य अंगों की सफाई किस तरह करनी चाहिए, यह जरूर सिखाएं। बच्चों के नाखूनों को समय-समय पर काटती रहें और उनमें नाखूनों को छोटे रखने की ही आदत डालें।

चाय के साथ खिलाएं खस्ता कचौड़ी

गर्मागर्म चाय के साथ चटपटा नाश्ता करने की चाह किसे नहीं होती है। अब हर दिन पकोड़े खाना मुमकिन नहीं, ऐसे में कुछ अलग अलग व्यंजनों और उनकी आसान रेसिपीज के बारे में जान लीजिए। आप थोड़ी सी दाल भिगोकर रख सकते हैं। मूंग दाल कई स्नेक्स बनाने के काम में आ सकती है। इस बार मूंग दाल से खस्ता कचौरी बनाने की आसान विधि जान लीजिए। इस विधि से गेंहू के आटे की बाजार जैसी खस्ता कचौड़ी बनाई जा सकती है। इसके इसके लिए आटे में सूजी मिलाकर गूंद लें। ये कचौड़ी की क्रिस्पी बना देगा। वहीं मैदे की कचौरी बहुत खस्ता बन सकती है। इसलिए अपने स्वाद के मुताबुकि दोनों ही आटे से कचौड़ी बना सकते हैं।

कचौड़ी बनाने की विधि

भीगी हुई मूंग की दाल को मिक्सी में दरदरा पीस लें। अब मैदा या गेहूं के आटे में सूजी मिलाकर एक चम्मच तेल और स्वादानुसार नमक डालकर आटा गूंथ लें। गूंथे हुए आटे को कपड़े से ढककर रख दें।

कचौड़ी की स्टफिंग

कड़ाही में तेल गर्म करके उसमें जीरा, सौंफ, धनिया पाउडर, कुटा हुआ साबुत धनिया, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी और बेसन को मिलाकर धीमी आंच पर भून लें। अब इस मिश्रण में दरदरी पिसी दाल डालकर अच्छे से मिक्स करते हुए पका लें। फिर अमचूर और स्वादानुसार नमक मिला पकाएं। जब दाल अलग अलग होने लगे तो समझ जाएं कि मसाला पक गया है। इस स्टफिंग को ठंडा करें समान अनुपात में गोल बॉल्स तैयार कर लें।

खस्ता कचौड़ी रेसिपी

गूंथे हुए आटे में थोड़ा सा तेल लगाकर एक बार अच्छी तरह से गूंद लें। फिर छोटी लोइयां बना लें। लोई को कटोरी जैसा आकार देकर उसमें मसाले की तैयार बॉल रखें और पोटली की तरह बनाते हुए बंद कर दें।अब इसे छोटी पूरी के आकार में बेल लें, बेलते समय थोड़ा मोटा ही रखें। एक कड़ाही में तेल डालकर गर्म करे और खौलते तेल में कचौड़ियां डालकर धीमी आंच पर डीप फ्राई करें। सुनहरी होने तक सभी कचौरियों को तलें, गर्मागर्म खस्ता कचौरियां तैयार हैं।

सूर्य यंत्र की स्थापना किस दिशा में करनी चाहिए?

यंत्रों को स्थापित करने से व्यवसाय में सफलता प्राप्त होती है। यंत्रों को स्थापित करने से स्वास्थ्य में सुधार होता है। यंत्रों को स्थापित करने से मन को शांति मिलती है। ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से सूर्य यंत्र को स्थापित करने के बारे में विस्तार से जानिए कि घर की किस दिशा सूर्य यंत्र रखना शुभ माना जाता है।

घर की किस दिशा में स्थापित करें सूर्य यंत्र?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य यंत्र को घर की पूर्व दिशा में स्थापित करना सबसे शुभ माना जाता है। पूर्व दिशा सूर्योदय की दिशा होती है और इसे ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। इससे सूर्यदेव की कृपा बनी रहती है और व्यक्ति के जीवन में मान-सम्मान, यश और सकारात्मकता का भी संचार होता है।

सूर्य यंत्र स्थापित करने के दौरान रखें इन बातों का ध्यान

यंत्र को दीवार पर इस तरह से स्थापित करें कि उसका मुख पूर्व दिशा की ओर हो। यंत्र को किसी ऊंचे स्थान पर स्थापित करें, जैसे कि पूजा की जगह या लिविंग रूम। यंत्र को स्थापित करने से पहले उसकी अच्छी तरह से सफाई कर लें। यंत्र को स्थापित करते समय मंत्रों का जाप करें। यंत्र को स्थापित करने के बाद उसकी नियमित रूप से पूजा करें।

सूर्य यंत्र स्थापित करने के लाभ क्या हैं?

घर में सूर्य यंत्र स्थापित करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि आता है। यह स्वास्थ्य और सफलता को बढ़ावा देता है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है। यह आत्मविश्वास और एकाग्रता में सुधार करता है। यह मानसिक शांति प्रदान करता है।

कार्नर न्यूज

कम खर्च में कुछ उपाय अपना कर कीजिए घर पर ही कपड़े साफ

लॉन्ड्री पर खर्च करने की नहीं है जरूरत घर पर ही आसानी से कीजिए ड्राई क्लीन

ड्राई क्लीन का खर्च कितना महंगा होता है ये बताने की आवश्यकता नहीं। कई बार तो ड्राई क्लीन के लिए लॉन्ड्री में दिए गए कपड़े समय पर मिलते भी नहीं। ये सब ड्राई क्लीन प्रक्रिया नहीं जानने के कारण होता है। अगर आप घर पर ड्राई क्लीन करना जानते हैं तो इससे कपड़ों की सफाई पर होने वाले खर्च और समय दोनों को बचा सकते हैं। इससे पहले आप ड्रेस को आयरन करने का देसी जुगाड़ भी जान चुके हैं। कोट पैंट, विंटर जैकेट, स्वेटर, स्वेटशर्ट इत्यादि को आप अपने हाथों से अच्छी तरह साफ कर सकते हैं।इन कपड़ों को साफ करना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। लेकिन आपको ड्रेस ड्राई क्लीन करने की सही जानकारी होनी चाहिए। अगर आपको जानकारी है तो कॉटन, पॉलिस्टर, नायलोन, एक्रेलिक फैब्रिक वाले कपड़ों को घर पर ही अच्छी तरह साफ कर सकेंगे। इतना ही नहीं अगर इन कपड़ों पर दाग भी लग गए हैं तो भी उनको ड्राई क्लीन के लिए कहीं और देने की जरूरत नहीं है। यानी कि आप किसी भी तरह के मैले कपड़ों को घर पर आसानी से साफ कर सकते हैं।

मैं यहां पर न केवल ड्राई क्लीन टिप्स के बारे में जानकारी दूंगा। बल्कि ड्राई क्लीन करने के बेस्ट वीडियो भी दे रहा हूं। इन वीडियो को देखकर आप आसानी से कपड़ों की सफाई कर पाएंगे।

कपड़ों को ड्राई क्लीन करने से पहले क्या करें

किसी भी प्रकार की ड्रेस को ड्राई क्लीन करने से पहले कुछ बातों को अच्छी तरह समझ लें। इसके बाद ही कपड़ों की सफाई करें। अगर आप इन बातों को इग्नोर करेंगे तो कपड़े खराब हो सकते हैं।

ड्रेस पर लगे लेबल पर लिखी जानकारी को पढ़ें।कपड़े की फैब्रिक के हिसाब से डिटर्जेंट यूज करें।कपड़ें को धोने से पहले उनकी पॉकेट को चेक करें।ड्राई वॉश के लिए यूज होने वाली चीजों को पहले एक जगह रख लें।अलग-अलग कलर की जैकेट या अन्य ड्रेस को एक साथ बाल्टी या मशीन में न डालें।गर्म पानी के लिए मना किया गया है तो उपयोग न करें।

ड्राई क्लीन के लिए यूज होने वाले डिटर्जेंट

ड्राई क्लीन के लिए यूज होने वाले डिटर्जेंट की जानकारी ड्रेस के साथ लगे लेबल पर होती है। वैसे आप ऊनी ड्रेस के लिए लिक्वीड डिटर्जेंट का इस्तेमाल ही करें। इसी तरह आप ड्राई वॉश के लिए अन्य प्रकार के केमिकल का उपयोग ड्रेस के हिसाब से कर सकते हैं।

ड्रेस ड्राई वॉश करने का आसान तरीका

कपड़ों को घर पर ड्राई क्लीन करने का आसान तरीका यही है कि सबसे पहले आप उपरोक्त जानकारी के अनुसार तैयारी कर लें। साथ ही डिटर्जेंट इत्यादि अच्छी क्वालिटी के ही खरीदें। इसके बाद आप आगे की प्रक्रिया फॉलो करें। कपड़ों पर लगे लेबल पर लिक्विड / पाउडर डिटर्जेंट, हॉट एंड कूल वॉटर आदि की जानकारी लिखी होगी। उसी के अनुसार उनको पानी में भिंगोएं। इसके बाद उनको कम से कम 10-20 मिनट के लिए छोड़ दें।

हाथ से ड्राई क्लीन करें

अब आप बाल्टी में डाले गए कपड़े को हाथ से धोएं। इसके लिए ब्रश या किसी अन्य हार्ड सामान का उपयोग न करें। जैकेट के कॉलर और कफ अधिक गंदे हो जाते हैं इसलिए उनको हल्के हाथों से रगड़कर साफ करें। इस तरह से आप कॉलर व अन्य जगहों पर जमे मैल को साफ कर सकते हैं। इसके लिए आप यह वीडियो भी देख सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सचदेवा ने बैडमिंटन, बास्केटबाल कोर्ट का किया शिलान्यास

नई दिल्ली। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को झड़ौदा कलां गांव में खेल स्टेडियम के पुनर्निर्माण के साथ ही बैडमिंटन और बास्केटबाल कोर्ट का शिलान्यास किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आज यहां इस अवसर पर कहा कि जिस स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है उसमें दो बैडमिंटन, एक बास्केटबाल कोर्ट, एक ट्रैकिंग फुटपाथ के अलावा फुटबाल स्टेडियम बनाया जा रहा है।

डब्ल्यूएफआई ने 30 पहलवानों को किया निलंबित

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने जूनियर स्तर पर अधिक उम्र के पहलवानों पर शिकंजा कसते हुए पिछले महीने 400 से अधिक ऐसे मामलों की जांच के बाद 30 पहलवानों को अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया है। ब्ल्यूएफआई ने मुख्य रूप से दिल्ली के अखाड़ों के प्रशिक्षकों और पहलवानों की शिकायतों पर कार्रवाई की।

रिकी पोंटिंग ने इंग्लैंड दौरे पर कहा-

अर्शदीप भारत के लिए हो सकते हैं एक्स फैक्टर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू हो रहे 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया इंग्लैंड पहुंच चुकी है और भारतीय टीम ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। इस टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में कई शानदार गेंदबाजों को शामिल किया गया है जिसमें जसप्रीत बुमराह, आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले प्रसिद्ध कृष्णा, सिराज, कु लदीप यादव, अर्शदीप सिंह, शार्दुल ठाकु र, वाशिंगटन सुंदर शामिल हैं, लेकिन कौन भारत के लिए इस टेस्ट सीरीज में एक्स फैक्टर होगा इसके बारे में रिकी पोंटिंग ने बताया।

रिकी पोंटिंग को लगता है कि अर्शदीप इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में भारत के लिए अहम गेंदबाज हो सकते हैं। उनका मानना है कि इंग्लैंड की परिस्थितियां अर्शदीप की गेंदबाजी शैली के लिए बिल्कुल सही है। ड्यूक बॉल के साथ काउंटी चैंपियनशिप में केंट के लिए खेल चुके अर्शदीप को पता है कि इंग्लिश कंडीशन में किस तरह से गेंदबाजी करनी है। पोंटिंग ने कहा कि भारत को सीरीज के पहले मैच से ही अर्शदीप को प्लेइंग इलेवन में शामिल करना चाहिए और वो भारत के लिए एक्स फैक्टर हो सकते हैं।रिकी पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू के हवाले से कहा कि, मैं वास्तव में उन्हें (इंग्लैंड सीरीज की शुरुआत में) टेस्ट टीम में शामिल करूंगा। वह बहुत कु शल हैं और उन्होंने काउंटी क्रिकेट खेला है, वह वहां की कंडीशन को जानते हैं और मुझे लगता है कि ड्यूक की गेंद उन्हें यूके में भी मदद करेगी। पोंटिंग का मानना है कि अर्शदीप को टीम में लाने से इंग्लैंड की परिस्थितियों में बड़ा अंतर आ सकता है, उन्होंने कहा कि अगर भारत इस सुविधा का उपयोग नहीं करता है तो यह आश्चर्यजनक होगा।

पोंटिंग ने कहा कि आपकी टीम में बाएं हाथ का गेंदबाज होना, मुझे लगता है कि कु छ ऐसा होगा, जो अगर भारत नहीं करता है, तो मेरे लिए थोड़ा आश्चर्य की बात होगी। जैसा कि हम जानते हैं, इंग्लैंड में गेंद अभी भी 30, 40 या 50 ओवर में पुरानी हो जाती है। इसलिए किसी ऐसे व्यक्ति का होना जिसके पास स्विंग गेंदबाजी की क्षमता हो और बाएं हाथ का गेंदबाज हो, मुझे लगता है कि भारतीय टीम को उस दौरे पर निश्चित रूप से इस पर ध्यान देना चाहिए।

केएल राहुल ने इंग्लैंड में ठोका शतक, ध्रुव जुरेल ने अर्धशतक

एजेंसी ■ नॉर्थैम्प्टन

केएल राहुल के शानदार शतक और ध्रुव जुरेल के अर्धशतकीय पारियों के दम पर इंडिया ए टीम ने दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को 348 रन स्कोर सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया।

आज यहां भारत के कल के सात विकेट पर 319 रन के स्कोर से आगे खेला शुरू किया। इंडिया ए ने अपना आठवां विकेट कल के स्कोर में 10 रन जोड़कर तनुष कोटियान (15) के रूप में गवां दिया। उन्हें जॉश टंग ने बोल्ड आउट किया। अंशुल काम्बोज (दो) और तुषार देशपांडे (11) रनआउट हुए। इन दोनों बल्लेबाजों को टंग ने अपना शिकार बनाकर भारतीय पारी को समेटा। इससे पहले दिन के एल राहुल ने राहुल का 168 गेंदों में (116) रनों की शतकीय पारी खेली थी। वहीं ध्रुव जुरेल ने (52), करुण नायर (40) और नीतीश कुमार रेड्डी ने (34) रन बनाए थे। इंडिया ए टीम 89.3 ओवर में 348 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड लायंस की ओर से क्रिस वोक्स ने तीन विकेट लिए। जॉश टंग और जॉर्ज हिल को दो-दो विकेट मिले। फरहान अहमद और टॉम हेंज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

टी-20 मैच में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 21 रनों से हराया

एजेंसी ■ चेस्टर-ले-स्ट्रीट

जॉश बटलर (96) रन की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी के बाद लियम डॉसन (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने पहले टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 21 से हरा दिया है। इसी के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। शुक्रवार रात खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में बेन डकेट (एक) का विकेट गवां दिया। उन्हें रोमारियो शेफर्ड ने विकेटकीपर साई होप के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जॉश बटलर ने सलामी बल्लेबाज जेमी स्मिथ के साथ दूसरे विकेट के लिए 79 रनों की साझेदारी कर इंग्लैंड की पारी को संभाला। सातवें ओवर में रोमारियो शेफर्ड ने जेमी स्मिथ 20 गेंदों में (38) को रदरफोर्ड के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया।

वसीम और ट्रायोन मई के 'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' चुने गए

एजेंसी ■ दुबई

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बल्लेबाज मुहम्मद वसीम और दक्षिण अफ्रीका की ऑलराउंडर क्लो ट्रायोन को मई महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है।

वसीम ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 और बंगलादेश के खिलाफ घरेलू टी-20 श्रृंखला में लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए दूसरी बार इस पुरस्कार से नवाजा गया है। उन्होंने स्कॉटलैंड के ऑलराउंडर ब्रेंडन मैकमुलेन और मिलिंद कुमार को पछाड़ यह पुरस्कार जीता। 31

वर्षीय इस खिलाड़ी ने मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए पांच एकदिवसयी मैचों में 169 रन बनाए। उन्होंने इस अंतरराष्ट्रीय टी-20 श्रृंखला में टीम का नेतृत्व किया और पहले दो मैचों में बल्लेबाजी करते हुए 54 और 82 रन बनाए। वसीम को इससे पहले अप्रैल 2024 में भी इस पुरस्कार से नवाजा गया था।

दक्षिण अफ्रीका महिला टीम की ट्रायोन ने श्रीलंका दौर पर तीन एकदिवसीय मैचों में 131.34 की स्ट्राइक-रेट से 176 रन बनाए और कोलंबो में हुई त्रिकोणीय श्रृंखला में छह विकेट लिए। इस टूर्नामेंट में भारत तीसरी टीम थी। ट्रायोन ने 67 (भारत के खिलाफ), 35 और 74 (श्रीलंका के खिलाफ) के स्कोर बनाए। इसके आलवा श्रीलंका के खिलाफ हैट्रिक लगाते हुए 34 रन देकर पांच विकेट लिये थे। प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीतने पर वसीम ने कहा, मैं दूसरी बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीतकर बहुत खुश हूँ। मैं आईसीसी और मेरे लिए वोट करने वाले सभी प्रशंसकों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।

इंदौर की नम्रता ने जीता स्वर्ण पदक

इंदौर। रूस के मॉस्को में आयोजित इंटरनेशनल वूशू चैंपियनशिप में इंदौर की वुशु एथलीट नम्रता बत्रा पिता संजय बत्रा ने 52 किलो वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। नम्रता के स्वर्ण पदक जीतन पर सारिका श्रीवास्तव, गौतम लश्करी, नकुल सेंडों ने बधाई देते उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

61वीं टाइगर लीग बैडमिंटन स्पर्धा

अशांक को दोहरी सफलता नायशा और अर्णव को भी खिताब

इंदौर (नगर संवाददाता)

सरताज अकादमी द्वारा आयोजित 61वीं टाइगर लीग बैडमिंटन स्पर्धा में अशांक मिश्रा ने बालक एकल और युगल खिताब जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। बालिकाओं का खिताब नायशा पुरोहित ने जीता, अशांक, अर्णव शाह के साथ बालक युगल में विजेता रहे। अर्णव बालक एकल में भी तीसरे स्थान पर रहे।

नारायण बाग बाल विकास केंद्र बैडमिंटन हाल में 31वें सरताज ग्रीष्मकालीन जूनियर बैडमिंटन प्रशिक्षण शिविर के तहत आयोजित इस स्पर्धा में बालक एकल फाइनल में अशांक मिश्रा ने सारांश तिरोले को 21-17,21-12 से हराया, बालिका वर्ग के खिताबी मुकाबले में नायशा पुरोहित ने ऋत्वी दवे को 21-17, 21-9 से पराजित किया, बालक युगल फाइनल में अशांक मिश्रा और अर्णव शाह ने शिवांश शर्मा और शिवांश सुनेरे को 21-11,21-12 से हराया।

महिला वर्ग का खिताब अन्ना मुजीचुक ने किया अपने नाम

मैग्नस कार्लसन ने जीता नॉर्वे शतरंज का सातवां खिताब

एजेंसी ■ स्टवान्गर, (नॉर्वे)

नॉर्वे के ग्रैंडमास्टर मैग्नस कार्लसन ने नॉर्वे शतरंज का सातवां खिताब जीत लिया है। वहीं अन्ना मुजीचुक ने महिला वर्ग का खिताब अपने नाम किया।

टूर्नामेंट नॉर्वे शतरंज 2025 के राउंड 10 अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना से हारने के बाद डी गुकेश 14.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। गुकेश की हार का मैग्नस कार्लसन को फायदा हुआ। उन्होंने 10वें राउंड में भारत के ही अर्जुन एरिगैसी के

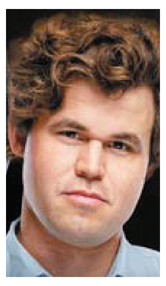

खिलाफ मुख्य बाजी ड्रॉ कराकर 16 अंकों के साथ खिताब अपने नाम किया। फैबियानो कारूआना 15.5 अंकों के साथ दूसरे तथा अर्जुन एरिगैसी 13 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। विश्व नंबर वन मैग्नस कार्लसन को अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ काले मोहरों से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। दबाव के बावजूद कार्लसन ने कुशलता के साथ खेलते हुए बचाव किया और बाजी पलटने में सफल रहे।

यूक्रेन की अन्ना मुजीचुक ने नॉर्वे शतरंज महिला 2025 का खिताब अपने नाम किया। अंतिम दौर के मुकाबले में अन्ना मुजीचुक ने भारत की आर. वैशाली से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हारने के बावजूद 16.5 अंकों के साथ खिताब जीता।

सुमेधा ने द. कोरिया में जीता पदक

एजेंसी ■ वाराणसी

दक्षिण कोरिया में आयोजित वर्ल्ड पैरा निशानेबाजी में काशी की बेटी सुमेधा पाठक ने 10 मीटर पिस्टल की टीम स्पर्धा में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। सुमेधा ने 10 मीटर पिस्टल की एकल स्पर्धा में स्वर्ण और मिक्स में कांस्य पदक जीत देश का नाम रोशन किया है।

इस जीत के साथ सुमेधा के पदकों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। ऐसा करने वाली वह प्रदेश की पहली पैरा महिला खिलाड़ी बन गई हैं। सुमेधा पाठक ने इस जीत का श्रेय बाबा काशी विश्वनाथ और माता-पिता और कोच को दिया है। उन्होंने बताया कि विदेशी धरती पर स्वर्ण जीतना का सपना बाबा काशी विश्वनाथ की कृपा से संभव हुआ है। 10 मीटर टीम स्पर्धा दूसरा स्थान कोरिया जबकि तीसरा स्थान चीनी ताइपे को मिला है। इसमें सुमेधा ने 1695 अंक हासिल कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है।

फ्रेंच ओपन : इटली के चोटिल लोरेंजो मुसेट्टी मैच के बीच में हटे

अल्काराज और सिनर के बीच आज खिताबी भिड़ंत

एजेंसी ■ पेरिस

विश्व के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर और स्पेन के दिग्गज कार्लोस अल्काराज के बीच रविवार को फ्रेंच ओपन के फाइनल मुकाबले में खिताब के लिए भिड़ेंगे। शुक्रवार देर रात खेले दूसरे सेमीफाइनल में मुकाबले में इटली के जैनिक सिनर ने सर्बिया के नोवाक जोकोविच को 6-4, 7-5, 7-6 (3) से हराया।

पहले सेमीफाइनल में स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज शुक्रवार को सेमीफाइनल मुकाबले में इटली के चोटिल लोरेंजो मुसेट्टी के मैच के बीच में हटने के बाद फ्रेंच ओपन पुरुष एकल के फाइनल में जगह बना ली थी। मैच की शुरुआत अल्काराज ने पहला सेट गंवाया लेकिन इसके बाद वह वापसी करते हुए 4-6, 7-6 (3), 6-0, 2-0 से आगे चल रहे थे। इसी दौरान इटली के मुसेट्टी ने जांघ की

चोट के कारण खेल छोड़ दिया। वर्ष 2013 के बाद यह पहली बार होगा जब अमेरिका के टेनिस खिलाड़ी पुरुष और महिला एकल वर्ग के फाइनल में विश्व के नंबर एक और दो खिलाड़ियों के बीच मुकाबला होगा।

सिनर ने जोकोविच को हराकर फाइनल में प्रवेश किया : विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जैनिक सिनर ने शुक्रवार रात को रोलैंड–गैरोस सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर शानदार प्रदर्शन कर पहली बार फाइनल में प्रवेश किया, जिससे सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविच की रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की आशाओं पर विराम लग गया। सिनर ने जोकोविच को 6–4, 7–5, 7–6(3) से हराया। इस जीत के साथ, सिनर ने ग्रैंड स्लैम जीतने की अपनी लय को 20 मैचों तक और सेटों की संख्या को 29 तक पहुंचा दिया, जिससे वह यूएस ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत के बाद लगातार तीसरे फाइनल में पहुंच गए। 23 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी सिनर ऐसे पहले खिलाड़ी भी बने, जिसने रोलांड–गैरोस फाइनल में प्रवेश किया। जोकोविच ने 2008 से 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, जिनमें से तीन रोलांड–गैरोस में जीते हैं। इस जीत के साथ, सिनर फेडरर, नडाल, जोकोविच और मरे की कुलीन कंपनी में शामिल हो गए हैं और इस सदी में लगातार तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले कुछ पुरुषों में से एक हैं।

रोनाल्डो क्लब विश्वकप में नहीं खेलेंगे

एजेंसी ■ लिस्बन

पुर्तगाल फुटबॉल टीम के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा कि वह इस महीने होने वाले क्लब विश्वकप में नहीं खेलेंगे।

रोनाल्डो ने कहा, ÷मैं क्लब विश्वकप में नहीं रहूंगा। कुछ टीमों ने मुझसे संपर्क किया। कुछ ने समझदारी दिखाई और कुछ ने नहीं, लेकिन आप हर चीज करने की प्रयास नहीं कर सकते। आप हर गेंद को नहीं पकड़ सकते।÷ 40 वर्षीय रोनाल्डो का जून के आखिर में सऊदी अरब के क्लब अल-नासर के साथ अनुबंध समाप्त हो रहा है।

मई में, फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने अल-नासर के क्वालीफाई करने में विफल होने के बाद रोनाल्डो के क्लब विश्वकप में खेलने वाली टीम में शामिल होने की संभावना जताई जा रही थी। स्ट्राइकर रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ अपने अनुबंध की समाप्ति के बाद 2023 में अल-नासर क्लब में शामिल

हुए थे। उन्होंने क्लब के लिए 111 मैचों में 99 गोल किए हैं, जिसमें पिछले सत्र में 41 मैचों में 35 गोल शामिल हैं। रोनाल्डो ने बुधवार को जर्मनी के खिलाफ 2-1 की जीत में विजयी गोल करके पुर्तगाल को राष्ट्र लीग फाइनल में जगह दिलाई थी।

भारतीय सेना भोपाल का पहला 'लाइट एंड साउंड' शो

भोपाल। भोपाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भारतीय सेना की अदम्य भावना को प्रदर्शित करता राजधानी का पहला 'लाइट एंड साउंड' शो मिलिट्री स्टेशन के योद्धास्थल पर विशेष स्क्रीनिंग में दिखाया गया।

फोटो- विपिन यादव

आरपीएफ आरक्षक की बहादुरी से टली बड़ी दुर्घटना

यात्री को सही समय पर खींचकर सुरक्षित निकाला

भोपाल (नगर संवाददाता)

'ऑपरेशन जीवन रक्षा' के तहत यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने रेलवे सुरक्षा बल के जवान लगातार सतर्क रहते हैं। इसी श्रृंखला में एक बड़ी दुर्घटना उस समय टल गई, जब एक यात्री ट्रेन से उतरते समय फिसलकर कोच और प्लेटफॉर्म के बीच गिर पड़ा। मौके पर ड्यूटी कर रहे आरपीएफ के आरक्षक की सतर्कता से यात्री की जान बच गई।

जानकारी के अनुसार बीती देर शाम गाड़ी 18238 छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म 01 से रवाना हो रही थी। इसी दौरान अमरपाल सिंह, निवासी गांधीनगर, भोपाल, जो प्लेटफॉर्म टिकट लेकर अपने परिजनों को ट्रेन में बैठाने आए थे, अधिक सामान चढ़ाने के लिए कोच में गए थे। ट्रेन के चलने के बाद जब उन्होंने नीचे उतरने का प्रयास किया, तो उनका संतुलन बिगड़ गया और वे फिसलकर कोच और प्लेटफॉर्म के बीच गिर पड़े। मौके पर मौजूद आरपीएफ आरक्षक कृष्ण कुमार ने घटना पर तुरंत सजगता दिखाते हुए दौड़कर यात्री को खींचकर बाहर निकाला, जिससे उसकी जान बच गई। यात्री को केवल मामूली खरोंचें आईं, जिनका उपचार स्टेशन पर स्थित डिस्पेंसरी में किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि आरक्षक की सतर्कता और त्वरित निर्णय ने एक संभावित गंभीर हादसे को टाल दिया। उन्होंने यात्रियों से यह भी अपील की कि वे चलती ट्रेन से चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें, और केवल गाड़ी के पूर्णतः रुकने पर ही चढ़ें या उतरें।

9 जिलों में एफआईआर, न ईएसबी की मिलीभगत न पीएचक्यू की

जालसाजों ने 'आधार' सिस्टम के जरिए लगाई 'पुलिस भर्ती परीक्षा' में सेंध

विशेष संवाददाता ■ भोपाल

पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा 2023 में फर्जीवाड़े को लेकर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। जालसाजों ने इस बार न परीक्षा का सर्वर हैक किया और न ही पेपर लीक किया। बल्कि 'आधार' सिस्टम के जरिए परीक्षा में सेंध लगाई। जालसाजों ने आधार में सॉल्वरों के फोटो लगवाए और परीक्षार्थियों की जगह सॉल्वर परीक्षा बैठाए। अभी तक फर्जी भर्ती मामले में 30 से ज्यादा फर्जी पुलिस वाले पकड़े गए हैं। जिनके खिलाफ अलग-अलग जिलों में प्रकरण दर्ज कराए जा चुके हैं। सबसे पहले मुरैना जिले में मामला सामने आया था। पुलिस भर्ती में लगातार सामने आ रहे फर्जीवाड़े को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने जांच की कमान अपने हाथ में ले ली है। साथ ही जांच एसटीएफ को सौंपने पर विचार हो रहा है। मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद इस पर निर्णय लिया जा सकता है।

पुलिस महानिदेशक कर रहे जांच की निगरानी

फर्जी पुलिस भर्ती का मामला सबसे पहले मुरैना में सामने आया था। जब पुलिस की शारीरिक परीक्षा के दौरान एसटीएफ की टीम ने संदेह के आधार पर 5 चयनित पुलिस जवानों को पकड़ा था। एसटीएफ ने ही प्रकरण दर्ज कराया। इसके बाद पुलिस भर्ती परीक्षा में लगातार फर्जीवाड़ा सामने आ रहा है। ग्वालियर-चंबल में ही 22 से ज्यादा फर्जी तरीके पुलिस में चयनित होने वाले चिह्नित हो चुके हैं। अन्य जिलों में भी संदिग्धों को चिह्नित कर कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर पुलिस मुख्यालय ने सभी जिला पुलिस, सभी बटालियन को निर्देश जारी कर दिए हैं कि पुलिस भर्ती परीक्षा 2023 पास करने वाले सभी जवानों के शैक्षणिक दस्तावेज और आधार बायोमैट्रिक की जांच की जाए। दसवी और बाहरवीं की अंकसूची बोर्ड से जांच कराई जा रही हैं।

यूआईडीएआई ने साधी चुप्पी: पुलिस भर्ती परीक्षा फर्जीवाड़े में अभी तक परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था कर्मचारी चयन मंडल या फिर पुलिस मुख्यालय की कोई भूमिका सामने नहीं आई है। अभी तक सिर्फ आधार सिस्टम में सेंध लगाकर सॉल्वर के जरिए परीक्षा पास कराने वाले ही पकड़े गए हैं। पुलिस ने परीक्षा में चयनित सभी पुलिस वालों की आधार हिस्ट्री खंगालना शुरू कर दिया है। साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी भी की जा रही है। हालांकि अभी तक पुलिस किसी बड़े गिरोह तक नहीं पहुंची है।

एसटीएफ को सौंप सकते जांच

पुलिस परीक्षा में फर्जीवाड़े लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में जांच का जिम्मा एसटीएफ को सौंपा जा सकता है। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस आरक्षक परीक्षा में फर्जीवाड़ा सबसे पहले एसटीएफ ने मुरैना में पकड़ा था। जब शारीरिक परीक्षा चल रही थी, तब एसटीएफ के एसपी और कर्मचारियों ने 5 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई। जांच में पता चला कि उन्होंने 'आधार' में सेंध लगाकर परीक्षा में अपनी जगह सॉल्वर बैठाए थे।

इनका कहना है

मुख्यमंत्री ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस भर्ती में चयनित हर अभ्यर्थी के दस्तावेज और आधार बायोमैट्रिक की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जांच के संबंध में और कड़े फैसले लेने पर विचार चल रहा है।

कैलाश मकवाणा
पुलिस महानिदेशक, मप्र

अजाक्स की आमसभा में नहीं पहुंचे मंत्री, संगठन के लोगों ने भी किया बहिष्कार

भोपाल। अजाक्स के पूर्व प्रांताध्यक्ष वरिष्ठ आईएएस अधिकारी जेएन कंसोटिया द्वारा बुलाई गई संगठन की आमसभा के फेल होने की खबर है। अजाक्स के प्रांताध्यक्ष चौधरी सुरेश मौर्य एवं कार्यवाहक प्रांताध्यक्ष डॉ. घनश्याम पटेल ने कहा है कि कंसोटिया ने असंवैधानिक रूप से आमसभा बुलाई थी, जिसका संगठन के अधिकांश प्रमुख लोगों ने बहिष्कार किया। खास बात ये है कि आमसभा में बतौर अतिथि बुलाए गए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा,मंत्री तुलसी सिलावट एवं कृष्णा गौर भी शामिल नहीं हुई। अजाक्स के प्रांताध्यक्ष चौधरी सुरेश मौर्य का आरोप है कि कंसोटिया ने संगठन में हमेशा अपने फायदे के लिए काम किया। लेकिन संगठन के लोग इसे समझा चुके हैं। कानूनी तौर पर संगठन से हटाए जाने के बाद भी लोगों को इनाम देने के उद्देश्य से उन्होंने 8 जून को आमसभा बुलाई, ताकि वे अपनी खोई प्रतिष्ठा को बचा सके। लेकिन वे असफल रहे। अधिकांश लोगों ने कार्यक्रम का बहिष्कार कर उन्हें आईना दिखा दिया। चौधरी व पटेल ने सभी का आभार जताया है।

'स्वास्थ्य सेवा से राष्ट्र सेवा का संकल्प'

विहिप ने 60 सेवा बस्तियों में लगाए स्वास्थ्य शिविर में हजारों ने कराई जांच

भोपाल (नगर संवाददाता)

स्वास्थ्य सेवा-राष्ट्र सेवा के संकल्प के साथ विश्व हिंदू परिषद विभाग भोपाल एवं नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन भोपाल द्वारा रविवार, 8 जून रविवार को 60 सेवा बस्तियों में एक साथ स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इस दौरान पूरे भोपाल में लगभग दस हजार लोगों को स्वास्थ शिविर का लाभ लिया।

विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग भोपाल शहर की 60 से बस्तियों में संस्कार शाला संचालित करता है, जिनमें सेवा बस्तियों के बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देने का कार्य किया जाता है, उसी क्रम में विश्व हिंदू परिषद एवं नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन ने स्वास्थ्य सेवा राष्ट्र सेवा के संकल्प के साथ भोपाल की चिन्हित सेवा बस्तियों में एक ही दिन एवं एक ही समय पर 60 स्वास्थ्य शिविर एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किए।

शिविर में ये पदाधिकारी रहे उपस्थित

स्वास्थ्य शिविर में विश्व हिंदू परिषद मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री जितेंद्र सिंह पवार ,नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन के राष्ट्रीय महासचिव डॉ अश्वनी टंडन ,डॉ मनीषा श्रीवास्तव निदेशक भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल, क्षेत्र सेवा प्रमुख राकेश अग्रवाल, प्रांत संगठन मंत्री सुरेन्द्र सिंह, प्रांत मंत्री राजेश जैन, प्रांत सह मंत्री गोपाल सोनी, प्रांत सेवा प्रमुख गोपाल राठी, प्रांत मातृ शक्ति संयोजिका श्रीमती अनिता सिकरवार,डॉ. कुलदीप गुप्ता, प्रांत सह सेवा प्रमुख राजेश साहू, श्रीमती शम्मी हरीश दीदी सहित विश्व हिंदू परिषद के प्रांत पदाधिकारी विभाग जिलों के कार्यकर्ता एवं 60 चिकित्सकों टीम सेवा बस्तियों में स्वास्थ्य सेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर में अपनी सेवाएं दी।

इंस्टाग्राम दोस्त ने किया युवती से दुष्कर्म

भोपाल (नगर संवाददाता)

इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद युवक-युवती में प्रेम प्रसंग हो गया। आरोपी ने शादी का भरोसा दिलाकर युवती को मिलने बुलाया। हबीबगंज इलाके की एक होटल में लड़की से रेप किया। विरोध करने पर जल्द शादी करने का भरोसा दिलाया। इसके बाद तीन साल तक दोनों रिलेशन में रहे। पिछले दिनों लड़की प्रेग्नेंट हो गई तो युवक ने उससे रिश्ता तोड़ दिया। इसके बाद पीड़िता ने गर्भपात के लिए दवा खा ली। युवती की तबीयत बिगड़ी तो उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अस्पताल से पुलिस को मामले की सूचना दी गई। सूचना के बाद कोलार पुलिस ने जीरो पर रेप केस दर्ज कर डायरी हबीबगंज पुलिस को सौंप दी है। एसआई मुक्ता शर्मा ने बताया कि 21 वर्षीय पीड़िता कोलार इलाके में रहती है। ग्रेजुएशन के बाद प्राइवेट जॉब कर रही है। वर्ष 2023 में उसकी बात इंस्टाग्राम पर चिराग सिंह से होने लगी। पीड़िता को मिलने बुलाया और हबीबगंज स्टेशन के करीब एक ओवायओ होटल में ले गया। यहां उसने लड़की से जबरन संबंध बनाए।

अलग-अलग स्थानों पर कई बार की ज्यादती

बाद में आरोपी पीड़िता को अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर ज्यादती करता रहा। पिछले दिनों लड़की प्रेग्नेंट हो गई। उसने यह बात चिराग को बताई तो उसने बातचीत बंद कर दी। इससे तंग आकर पीड़िता ने स्वयं गर्भपात का फैसला लिया। इसके लिए उसने एक दवा खाई जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जहां उसका इलाज जारी है। अस्पताल से मिली सूचना के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पीड़िता को केवल आरोपी का नाम और मोबाइल नंबर मालूम है। वह स्वयं को चूना भट्टी का रहने वाला बताता था। पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है।

10 जून को तहसील मुख्यालय पर करेगा धरना-प्रदर्शन

किसान संघ उड़द और मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीदी को लेकर देगा धरना

भोपाल (नगर संवाददाता)

उड़द, मूंग की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी न होने के कारण प्रदेश के 16 से अधिक जिलों के किसान परेशान है। जिसको लेकर कुछ जिलों में किसानों ने स्वप्रेरणा से आंदोलन छेड़ रखा है। प्रदेश में किसानों के सबसे बड़े संगठन भारतीय किसान संघ ने रविवार को उड़द मूंग खरीदी विषय पर प्रदेश टोली की ऑनलाइन बैठक की। जिसमें निर्णय लिया गया कि समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीदी की मांग को लेकर 10 जून को तहसील मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना ने बताया कि उड़द, मूंग सहित अन्य फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी सुनिश्चित करने की मांग को लेकर प्रदेश के सभी तहसील मुख्यालयों पर भारतीय किसान संघ धरना प्रदर्शन व ज्ञापन के कार्यक्रम आयोजित होंगे। हमारा यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से होगा। इसके बाद भी यदि सरकार नहीं सुनेगी तो प्रदेश के सभी जिला केंद्रों पर ट्रैक्टर रैली जैसे उग्र प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। भारतीय किसान संघ की प्रदेश टोली बैठक में महाकौशल प्रांत से प्रधानमंत्री एमएसपी समिति के सदस्य प्रमोद चौधरी, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल, प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मालवा प्रांत से प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना, राजेंद्र शर्मा, मध्यभारत प्रांत से क्षेत्र संगठन मंत्री महेश चौधरी, प्रांत महामंत्री चंद्रकांत गौर, प्रांत संगठन मंत्री मनीष शर्मा शामिल रहे।

मंडी अधिनियम की धारा 36(3) का हो पालन

भारतीय किसान संघ के प्रदेश महामंत्री चंद्रकांत गौर ने बताया कि मंडी अधिनियम की धारा 36(3) के अनुसार मंडी प्रांगण में ऐसी कृषि उपज जिसका सरकार ने समर्थन मूल्य घोषित किया है। मंडी प्रांगण में उस उपज के नियत घोषित समर्थन मूल्य से कम पर बोली प्रारंभ नहीं होने दी जाएगी। इस प्रकार का आदेश पत्र पूर्व में नर्मदापुरम जिले में जारी किया जा चुका है। जिसकी प्रतिलिपि जारी करते हुए महामंत्री चंद्रकांत गौर ने कहा कि यदि सरकार उड़द मूंग की खरीदी नहीं करती है तो प्रदेश सरकार सभी जिलों के कलेक्टर को मंडी अधिनियम की धारा 36(3) का पालन सुनिश्चित कराने आदेश जारी करे।

पौधरोपण प्रदेश प्रभारी और सह प्रभारी ने लगाया 'एक पेड़ मां के नाम'

भाजपा पदाधिकारियों ने बूथ पर किया पौधारोपण

भोपाल (नगर संवाददाता)

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने रविवार को अरेरा मंडल के वार्ड क्र. 49 के बूथ क्र. 184 स्थित अशोक सोसाईटी मैदान परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सिंदूर, वेल पत्र एवं आंवले का पौधारोपण किया। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित भी किया।

पर्यावरण संरक्षण जरूरी

डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रदूषण को कम करने और पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी देश भर में अभियान चला रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के साथ जोड़ा है। भाजपा कार्यकर्ताओं को पर्यावरण संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

हमारी पौराणिक कथाओं में वृक्षों, नदियों, पहाड़ों की पूजा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा दी गई है, हमें इनसे प्रेरणा लेकर आगे बढने की जरूरत है।

जनआंदोलन बना अभियान

भाजपा के प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने यह अभियान प्रारंभ कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण से जुड़ने का अवसर दिया है। पर्यावरण को स्वच्छ बनाने का यह अभियान आज पूरे देश में जनआंदोलन बन चुका है। हमें 2 महीने अपने-अपने घरों एवं सार्वजनिक जगहों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण से जुड़ना है। श्री उपाध्याय ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण से ही बढ़ते तापमान से निजात मिल सकता है।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह जादौन, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, पूर्व सांसद आलोक संजर, मंडल अध्यक्ष, पार्षद सहित मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में बिजली को लेकर विवाद

भोपाल। अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में बिजली को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। यहां के उद्योगपतियों और बिजली कंपनी के बीच यह बहस है कि यहां बिजली शहरी इलाके के दायरे में आती है या ग्रामीण इलाके में। बिजली कंपनी ने 3 दिन पहले 40 फैक्ट्रियों के कनेक्शन काट दिए थे, जिससे मामला गरमाया। एसोसिएशन का कहना है कि उनसे 4 साल तक ग्रामीण दरों पर बिल लिए गए, अब शहरी दरों पर क्यों लिए जा रहे हैं? बिजली कंपनी का तर्क है कि अचारपुरा ग्रुप-9 अर्बन डिसिप्लिन में आता है और इसका फीडर भी शहरी है। व्यापारियों ने कहा कि मामला दुरुस्त करें।

आज इन इलाकों में रहेगी 6 घंटे तक की बिजली कटौती

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी भोपाल के करीब 30 इलाकों में सोमवार को 30 मिनट से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा। जिन इलाकों में बिजली गुल रहेगी, उनमें गांधीनगर, रोहित नगर, बसंत कुंज, विकास कुंज, सोनागिरी, रत्नागिरी, शंकरी परिसर, डीके-3 जैसे कई बड़े इलाके भी शामिल हैं।

इन इलाकों में पड़ेगा असरः सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक रोहित नगर, आकृति इन्क्लेव एवं आसपास के इलाके। सुबह 9 से 9.30 बजे तक इंडस गार्डन टाउन, महिंद्र रॉयल एवं आसपास। सुबह 9.30 से 10 बजे तक बाबा नगर, बसंतकुंज, विकास कुंज, आशीर्वाद कॉलोनी, स्काई विला, ज्योति नगर एवं आसपास। सुबह 9.30 से दोपहर 2.30 बजे तक सिंगापुर सिटी कॉलोनी, डीके-3, विराशा हाइट्स एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक गांधी नगर, झूलेलाल मार्केट, शिवनगर, सुलभ कॉम्प्लेक्स, रत्नागिरी, शंकरी परिसर, कल्पना नगर, सोनागिरी एवं आसपास।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)